राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

गुड बैड गर्ल में वकील ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

शनिवार, 08 अक्टूबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 288 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

ज्ञानवापी मस्जिद–श्रृंगार गौरी मामले में शिवलिंग की कार्बन डेटिंग किए जाने का इंतजार

वाराणसी । ज्ञानवापी मस्जिद परिसर मामले में शिवलिंग की उम्र का पता लगाने के लिए कार्बन डेटिंग कराई जाएगी। वाराणसी कोर्ट इस मामले पर 11 अक्टूबर को फैसला सुनाएगा। हालांकि इस मामले में सबसे अधिक सवाल उठ रहे हैं कार्बन डेटिंग को लेकर। इसे लेकर कोर्ट में याचिका लगाई गई है, जिसपर अदालत ने आज सुनाया जाने वाला फैसला टाल दिया है।

जानें क्या है कार्बन डेटिंग

कार्बन डेटिंग उस विधि को कहा जाता है, जिसकी मदद से शैल, बर्तन, दीवारों पर की गई संबंधित वस्तु की उम्र की जानकारी हासिल की जा सकती है। कार्बन डेटिंग की प्रक्रिया आमतौर पर पुरानी चीजों की उम्र का पता लगाने के लिए किया जाता है।

इस प्रक्रिया के जरिए लकड़ी, चारकोल, बीज, बीजाणु, पराग, हड्डी, चमड़े, बाल, फर, सींग, रक्त अवशेष, पत्थर, मिट्टी आदि की अनुमानित आयु की जानकारी हासिल कर सकते है। कार्बन डेटिंग के जरिए कार्बनिक अवशेषों जैसे कोरल, चित्रकारी आदि की उम्र के बारे में जानकारी मिलती है।

जानें कार्बन डेटिंग की विधिः कार्बन डेटिंग की विधि कुल कार्बन 14 की आवश्यकता होती है। इसमें कार्बन 12 और 14 के बीच का अनुपात निकाला जाता है। बता दें कि जब किसी जीव की मृत्यु होती है, तो इसका कार्बन में आदान प्रदान बंद हो जाता है।

है। वैज्ञानिक जब इस बदलाव को मापते हैं तो उसी से जीव की संभावित उम्र का पता चलता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक कार्बन 12 स्थिर होता है। इसकी मात्रा में कमी नहीं होती है। कार्बन 14 रेडियोएक्टिव होता है, जिसमें कार्बन की मात्रा में गिरावट को अपनी मात्रा का आधा होने में लगभग 5,730 वर्षों का समय लगता है। कार्बन डेटिंग के जरिए जानकारी हासिल करने के लिए अप्रत्यक्ष विधियों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

वर्ष 1949 में हुई थी खोज

जानकारी के मुताबिक कार्बन डेटिंग जिसे रेडियो कार्बन डेटिंग कहा जाता है, की खोज वर्ष 1949 में हुई थी। शिकागो यूनिवर्सिटी के विलियर्ड लिबी को इस खोज के लिए नोबल पुरस्कार से नवाजा गया था। आज भी काफी किया जाता है मगर इसकी सटीकता को लेकर लगातार सवाल खड़े होते रहे है। जानें ज्ञानवापी को लेकर हंगामा क्योंः दरअसल कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग को लेकर हिंदू पक्ष की चार महिलाओं ने याचिका दायर की थी। वहीं कार्बन डेटिंग कराने का विरोध करने वालों का कहना है कि कार्बन डेटिंग करने से शिवलिंग को क्षति पहुंचेगी। कार्बन डेटिंग इस मामले का मूल पहलू नहीं है।

अमित शाह बोलेः देश की सभी पंचायतों में पैक्स की स्थापना की जाएगी

गंगटोक। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि देश की सभी पंचायतों में अगले पांच वर्षों के दौरान प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पैक्स) स्थापित की जाएंगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इससे डेयरी उत्पादों के विपणन सहित विभिन्न गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और पूर्वोत्तर के लोगों को इससे विशेष फायदा होगा। शाह ने कहा कि देश में अभी केवल 65,000 पैक्स ही सक्रिय हैं और जमीनी स्तर पर कृषि एवं डेयरी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए जरूरी है कि 2027 तक सभी पंचायतों में एक ऐसा निकाय हो। उन्होंने मनन केंद्र में ''पूर्वी एवं पूर्वोत्तर जोन डेयरी सहकारी सम्मेलन– 2022'' का उद्घाटन करते हुए कहा, सहकारिता मंत्रालय विभिन्न सहकारी गतिविधियों को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देने के लिए अगले पांच साल में पंचायतों

में बहुउद्देश्यीय पैक्स स्थापित करने की योजना पर काम कर रहा है। शाह ने कहा कि ऐसे पैक्स गैस और पेट्रोल की बिक्री के अलावा डेयरी और कृषि उत्पादों के भंडारण और विपणन जैसी गतिविधियों में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इसका मकसद गरीबी दूर करना और महिलाओं को सशक्त बनाना है। शाह दोपहर में यहां पहुंचे। गृह एवं सहकारिता मंत्री ने यह भी कहा कि पैक्स की स्थापना से पूर्वी और पूर्वोत्तर राज्यों को सबसे अधिक लाभ होगा क्योंकि इस क्षेत्र के कृषि एवं डेयरी उत्पादों का बेहतर तरीके से विपणन हो सकेगा जिससे पशुपालन और संबद्ध क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को सबसे अधिक वित्तीय लाभ होगा। शाह ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने सहकारिता क्षेत्र की उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि गरीबी उन्मूलन एवं महिला सशक्तिकरण में इस क्षेत्र की भूमिका की पहचान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की और उन्होंने एक अलग मंत्रालय स्थापित करने का फैसला किया। उन्होंने अगले पांच साल में देश में दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि घरेलू बाजार के साथ ही पड़ोसी देशों की मांग को भी पूरा किया जा सके। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर में विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस क्षेत्र के सभी राज्यों को हवाई, रेल और सड़क जैसे बुनियादी ढांचे के जरिए जोड़ा जा रहा है।

केजरीवाल ने लगाया केंद्र सरकार पर आरोप, सिसोदिया के खिलाफ सबूत ढूंढने के लिए 300 से अधिक अधिकारी लगाए गए

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े कथित धन शोधन मामले में शुक्रवार को नए सिरे से छापेमारी करने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मनीष सिसोदिया के खिलाफ सबूत ढूंढने के लिए 300 से अधिक अधिकारी लगाए गए हैं, लेकिन अभी तक कुछ नहीं मिला है, क्योंकि उन्होंने कुछ किया ही नहीं है। केजरीवाल ने कहा कि 'गंदी राजनीति' के कारण ईडी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के सैकड़ों अधिकारियों का समय बर्बाद किया जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ईडी के अधिकारी आबकारी नीति से जुड़े कथित धन शोधन मामले में दिल्ली, पंजाब और हैदराबाद में 35 स्थानों पर छापेमारी कर रहे हैं। केजरीवाल ने ट्वीट किया, ''500 से ज्यादा छापे, तीन महीनों से सीबीआई/ईडी के 300 से ज्यादा अधिकारी 24 घंटे लगे हुए हैं... एक मनीष सिसोदिया के खिलाफ सबूत ढूंढने के लिए... कुछ नहीं मिल रहा, क्योंकि कुछ किया ही नहीं।'' उन्होंने कहा, ''अपनी गंदी राजनीति के लिए इतने अधिकारियों का समय बर्बाद किया जा रहा है। ऐसे देश कैसे तरक्की करेगा?'' दिल्ली आबकारी नीति 2021–22 के क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं के मामले में सीबीआई द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का नाम बतौर आरोपी दर्ज है। सीबीआई द्वारा मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद ईडी ने धन शोधन का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। ईडी इस मामले में अब तक 103 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है। दिल्ली के उप–राज्यपालय वी के सक्सेना ने दिल्ली आबकारी नीति 2021–22 के क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। उन्होंने इस मामले में 11 आबकारी अधिकारियों को निलंबित भी किया था। ईडी ने इस मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक दुर्गेश पाठक और तिहाड़ जेल में बंद सत्येंद्र जैन से भी पूछताछ की है।

प्रशांत किशोर का तेजस्वी पर तंज, लालू का लड़का 9वीं पास है और डिप्टी सीएम है, आपके बच्चे को चपरासी की नौकरी भी नहीं मिलेगी

पटना। चुनावी रणनीतिकार से राजनीति में आने की कवायद में जुटे प्रशांत किशोर बिहार में जन सुराज यात्रा निकाल रहे हैं।

प्रशांत किशोर अपनी इस यात्रा के दौरान लगातार अलग–अलग लोगों से मुलाकात कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में चल रही खबर के मुताबिक प्रशांत किशोर लगातार अपनी पार्टी के लिए समर्थन मांग रहे हैं। उनका दावा है कि वह बिहार में 3500 किलोमीटर की लंबी यात्रा करेंगे। वह बिहार के कोने–कोने में जाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने तेजस्वी यादव पर जबरदस्त तरीके से तंज करता है। इस वक्त प्रशांत किशोर का काफिला पश्चिम चंपारण के धनौजी गांव में है। यहीं पर स्थानीय लोगों से प्रशांत किशोर बात कर रहे थे। अपनी बातचीत में उन्होंने तेजस्वी यादव का जिक्र किया। स्थानीय लोगों से उन्होंने कहा कि लालू यादव जी का लड़का 9वी पास है और उपमुख्यमंत्री है। अगर आपका बच्चा भी 9वीं पास होगा तो क्या उसे चपरासी की भी नौकरी मिलेगी? गांव वाले प्रशांत किशोर के बातों से सहमति दिखाते नजर आ रहे हैं। उन्होंने बार–बार लोगों से पूछा बताइए जरा मिलना चाहिए कि नहीं। जिसके पापा विधायक, जिसके बाबूजी मंत्री, मुख्यमंत्री और वह 9 वीं फेल रहे तो भी उसको नौकरी मिल जाती है। वह राजा बनकर रहता है। यह बदलना चाहिए कि नहीं बदलना चाहिए। प्रशांत किशोर 2 अक्टूबर के दिन से जन सुराज पदयात्रा पर हैं। इसको लेकर जदयू उन पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। जयदू का आरोप है कि उनके इस यात्रा को भाजपा फंड दे रही है। प्रशांत किशोर की यह पदयात्रा 15 महीने तक चलेगी। प्रशांत किशोर का दावा है कि वह बिहार में व्यवस्था परिवर्तन की कोशिश करेंगे। कभी जदयू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रह चुके प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार के साथ मतभेद के बाद पार्टी छोड़ दी थी। उनके कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें थीं। उस पर भी उन्होंने विराम लगा दिया। अब वह बिहार में नहीं राजनीति की कोशिश कर रहे हैं। पिछले दिनों प्रशांत किशोर ने दावा किया था कि नीतीश कुमार ने हाल में ही मुलाकात के दौरान उन्हें फिर से साथ आने का ऑफर दिया था। लेकिन उन्होंने ठुकरा दिया।

उद्धव की शिवसेना ने शिंदे का उड़ाया मजाक, कहा– दशहरा रैली में पढ़ी मोदी–शाह चालीसा

मुंबई। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की दशहरा रैली को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समर्थित कार्यक्रम करार देते हुए शुक्रवार को यह कहकर मजाक उड़ाया कि शिंदे ने अपने भाषण के दौरान मोदी–शाह चालीसा पढ़ी। उद्धव नीत शिवसेना ने शिंदे के नेतृत्व वाले अलग हुए गुट को नकली शिवसेना भी करार दिया। शिवसेना के मुखपत्र सामना में छपे एक संपादकीय लेख में पार्टी ने दावा किया कि शिंदे खेमा ने बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में आयोजित दशहरा रैली पर 50 करोड़ रुपये से 100 करोड़ रुपये खर्च किए होंगे। इस रैली में समर्थकों को लाने–ले जाने के लिए लगभग 2,000 बस बुक की गईं और कार्यक्रम में शामिल हुए दो लाख से अधिक लोगों को भोजन कराया गया। उद्धव नीत शिवसेना ने कहा, बीकेसी की रैली भाजपा समर्थित कार्यक्रमों में से एक थी। इस रैली पर खर्च की गई धनराशि का उपयोग कुछ विधायकों को खरीदने के लिए किया गया होगा। यह कार्यक्रम एक फैशन शो और एक सौंदर्य प्रतियोगिता की तरह था।

निकाय चुनावों के मद्देनजर बीजेपी की तैयारी शुरू, 1200 सीटों पर मुस्लिमों को साधने की रणनीति बनी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इस वर्ष के अंत में निकाय चुनाव होने है, जिसके लिए जोर शोर से बीजेपी तैयारियों में जुट गई है। संभावना है कि बीजेपी इस वर्ष निकाय चुनावों में मुस्लिमों को टिकट देने पर विचार कर रही है। बीजेपी ने इस संबंध में खास रणनीति बनाई है, जिसके तहत अल्पसंख्यक वोटरों को साधने की कोशिश की जाएगी। इस कड़ी में वार्ड और नगर पंचायत में पकड़ मजबूत करने के लिए बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा को जिम्मेदारी दी गई है। अल्पसंख्यक मोर्चा राज्य में बैठक कर मुस्लिम बहुल इलाकों में पार्टी मुस्लिमों को टिकट देगी। मीडिया को दिए इंटरव्यू में

बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बासित अली ने कहा कि राज्य में 1200 ऐसे वार्ड हैं जहां अल्पसंख्यक समाज काफी निर्णायक है। इस बार पार्टी ने ऐसे वार्डों में एक उम्मीदवार को टिकट देकर पार्टी के सिंबल के तौर पर उतारने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि बीते आठ वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के जरिए अल्पसंख्यक समाज ने भाजपा के साथ मजबूती साधी है। राज्य में करीब साढ़े चार करोड़ अल्पसंख्यक समाज के लाभार्थी है। जानकारी के मुताबिक हर बूथ पर लगभग 100 अल्पसंख्यक है। संभावना है कि ये अल्पसंख्यक वोट में बदलेंगे। माना जा रहा है कि अगर ये अल्पसंख्यक वर्ष 2024 में वोट देंगे तो इसका लाभ बीजेपी को होगा। पार्टी कर रही गरीबों और शोषितों के लिए कामः पार्टी लगातार शोषितों, गरीबों और वंचितों के लिए काम कर रही है। पार्टी द्वारा लगातार किए गए कार्यों के बदौलत राज्य में मुस्लिमों को जीत मिलेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी हर तरफ से मुस्लिमों को साधेगी क्योंकि पूर्व की सरकारों ने उनके लिए काम नहीं किया है। मगर भाजपा सरकार के आने के बाद से राज्य में उनकी स्थिति में सुधार देखने को मिला है। बीजेपी सरकार ने अल्पसंख्यकों को योजनाओं में शामिल करते हुए 20 लाख से अधिक आवास उपलब्ध कराए है। उन्होंने आगे कहा की बीजेपी विपक्ष की तरह तुष्टिकरण की राजनीति करने से बचती है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक मोर्चे में 80 फीसदी लोग भी पसमांदा समाज से आते है। वर्तमान में राज्य में अल्पसंख्यक आयोग, उर्दू अकादमी, मदरसा आयोग आदि के अध्यक्ष इसी समाज से ताल्लुक रखते है।

जम्मू-कश्मीर में इस साल पर्यटकों की संख्या ने 75 सालों का रिकॉर्ड तोड़ डाला

जम्मू। जो लोग कहते थे कि जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाये जाने पर आग लग जायेगी, खून की नदियां बह जायेंगी उन्हें देश के लोगों ने तगड़ा जवाब दे दिया है। 370 हटने के बाद विभिन्न केंद्रीय योजनाओं का लाभ मिलने से जहां केंद्र शासित प्रदेश के लोग बेहद खुश हैं वहीं सुरक्षा हालात में बदलाव आने के चलते देशभर के पर्यटक जम्मू–कश्मीर की यात्रा कर रहे हैं। जम्मू–कश्मीर में यात्रा चाहे धर्मस्थलों की हो या फिर कश्मीर की वादियों की, पर्यटक बस खिंचे चले आ रहे हैं। जम्मू–कश्मीर में पर्यटकों की आवक इतनी बढ़ी है कि पिछले सभी रिकॉर्ड टूट गये हैं। जी हाँ, इस साल अब तक रिकॉर्ड 1 करोड़ 62 लाख पर्यटकों ने जम्मू–कश्मीर की यात्रा की, जो आजादी के बाद से यानि पिछले 75 वर्षों में सबसे अधिक है। यह आंकड़ा केंद्र शासित प्रदेश के संपूर्ण विकास और बदलाव का सबसे बड़ा गवाह है। देखा जाये तो तीन दशकों के बाद कश्मीर लाखों पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। पर्यटन

विशेषज्ञों का तो यहां तक कहना है कि मोदी सरकार के कार्यकाल में कश्मीर में पर्यटन के स्वर्ण युग की वापसी हो गयी है। अभी तक सरकार से जुड़े लोग जम्मू–कश्मीर के विकास के दावे किया करते थे लेकिन अब पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोग भी कह रहे हैं कि जम्मू–कश्मीर आने वाले पर्यटकों की रिकॉर्ड संख्या केंद्र शासित प्रदेश में हुए समग्र विकास और बदलाव को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि पर्यटन जम्मू–कश्मीर में रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत है, ऐसे में पर्यटकों की बढ़ी तादाद ने यहां के लोगों को रोजगार के अनेकों अवसर मुहैया कराये हैं। इसके अलावा इस साल अमरनाथ यात्रियों की संख्या के भी पिछले रिकॉर्ड टूट गये और 3 लाख 65 हजार से ज्यादा अमरनाथ यात्री आये थे। हम आपको बता दें कि पर्यटन क्षेत्र की इस उपलब्धि का जिक्र केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी अपनी हालिया जम्मू–कश्मीर यात्रा के दौरान किया था।

अन्तर्राजीय गैंग के तीन शातिर साइबर ठग गिरफ्तार

किया मोटर्स कम्पनी का कर्मचारी बनकर एजेंसी दिये जाने के नाम पर करते थे ठगी

अयोध्या। साइबर ठगी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं, ऐसा ही एक मामला नगर क्षेत्र के सहादतगंज में आया है जहां यहां एक शख्स किआ कार की एजेंसी लेने के प्रयास में था कि तभी अचानक वह साइबर ठगों के बुने जाल में फंस गया। ठगों ने पीड़ित से अपने खाते में 50 लाख से भी ज्यादा की रकम ट्रांसफर करा ली। पीड़ित को जैसे ही अपने साथ ठगी होने का पता चला तो उसने थाना कैंट में कंप्लेंट दर्ज कराई। चूंकि मामला साइबर ठगी से जुड़ा हुआ था। इसलिये केस साइबर थाने को ट्रांसफर हो गया। मामले में पुलिस ने सुल्तानपुर से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर अंतरराज्यीय गिरोह का न सिर्फ खुलासा किया बल्कि लाखों रुपये की बरामदगी भी की। सहादतगंज स्थित मकान नंबर 416 निवासी शैलेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र कृष्ण प्रताप सिंह काफी दिनों से खुद का बिजनेस डालना चाहते थे।

शैलेन्द्र ने कार एजेंसी डालने का मन बनाया। इसके पश्चात उन्हें किआ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रसारित ईमेल के माध्मय से कुछ सुझाव मिला। वह इस संबंध में जानकारी एकत्र ही कर रहे थे कि इसी बीच उनसे खुद को किआ का कर्मी बताने वाले ने संपर्क किया। 29 अगस्त को उसके द्वारा बताए गए खाते में वादी ने कुल 50 लाख 51 हजार रूपये जमा करा दिया। जब वादी को जानकारी मिली कि वह साइबर अपराध का शिकार हो गया है तो थाना स्थानीय पर प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया था।थाना साइबर क्राइम ने तफ्तीश शुरू की तो पता चला कि यह अंतरराज्जीय गिरोह है, जो एजेंसी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करता है। इसके बाद पुलिस ने नालंदा बिहार, फरीदाबाद हरियाणा से सम्बन्धित अन्तर्राजीय गैंग के 3 शातिर साइबर बदमाशों को सुल्तानपुर रेलवे स्टेशन के निकट से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से घटना से सम्बंधित दो लाख तिरानवे हजार एक सौ रुपये भी बरामद हुए है। आरोपियों की पहचान कुलदीप गिल डबुआ कालोनी थाना डबुआ जिला फरीदाबाद हरियाणा, सिकन्दर व मुन्ना कुमार नालंदा बिहार के रूप में हुई। आरोपियों से 5 मोबाइल व 13 एटीएम कार्ड भी बरामद हुआ है। गिरफ्तार करने वाली टीम में निरीक्षक कमला पति यादव, उप निरीक्षक अमित शंकर आदि शामिल रहे। एजेंसी दिलाने के नाम लेते थे पंजीकरण शुल्क व फीस –गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि आरोपियों का साइबर अपराधियों का एक संगठित गैंग है, जो फर्जी तरीके से नामी कम्पनियों की एजेन्सी दिलाने के नाम पर भोले भाले लोगों को शिकार बनाते हैं। आरोपियों द्वारा लोगों से एजेन्सी दिलाये जाने के लिए पंजीकरण शुल्क व फार्म फीस के नाम पर अलग–अलग खातों में पैसा जमा करवाया जाता है तथा जिन खातों को आरोपियों द्वारा लोन लेने के जरूरत मंद लोगों से लोन के नाम पर बैंक खुलवाया गया होता है। खाते से लिंक डेबिट कार्ड, मोबाइल सिम व खाता पासबुक को अपने पास लेकर ठगी से प्राप्त किये गये धनराशी को अलग अलग जगह से कैश व अन्य माध्यमों से निकाल लिया जाता है।

कबीर के रास्ते पर चलकर ही प्राप्त होगा वैश्विक मानवतावाद

तीन दिवसीय कबीर मेला व सत्संग समारोह का हुआ समापन

अयोध्या। कबीर मंदिर जियनपुर में हर वर्ष की भांति इस बार भी मंदिर के संस्थापक सद्गुरु रामसूरत साहब एवं निर्माणकर्ता उदार साहब की स्मृति में तीन दिवसीय कबीर मेला एवं सत्संग समारोह आयोजित किया गया। बृहस्पतिवार को महोत्सव का समापन सत्र संतों के प्रवचन एवं भजन के साथ संपन्न हुआ। कबीर मंदिर के संस्थापक उपाध्यक्ष वरिष्ठ संत निहाल साहेब की अध्यक्षता में आयोजित समापन सत्र के मुख्य अतिथि काठमांडू नेपाल स्थित कबीर आश्रम के महंत आचार्य संतोष साहेब रहे। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में उपस्थित संतों एवं भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य संतोष साहेब ने कहा कि संत शिरोमणि कबीर साहेब ने अपने संदेशों में 5 सौ वर्ष पूर्व जो बातें कही थी उसकी प्रासंगिकता सार्थकता एवं महत्ता आज भी कम नहीं हुई है। वह एक युग दृष्टा क्रांतिकारी संत थे जिन्होंने सर्व समाज की शांति प्रगति एवं खुशहाली के लिए सार्वभौमिक जीवन मंत्र दिए हैं। कबीर के रास्ते पर चलकर ही वैश्विक मानवतावाद का उत्कृष्ट स्वरूप प्राप्त किया जा सकता है। समापन समारोह में पूर्वांचल विकास बोर्ड के सदस्य बौद्ध अरविंद सिंह पटेल, कबीर मंदिर समिति के मंत्री विवेक ब्रह्मचारी, संत रामप्रकाश दास, भुवनेश्वर दास, युवराज दास, राम लाल दास, कबीर आश्रम बोहारा छत्तीसगढ़ से आए रविंद्र दास, राधेश्याम दास, डॉ जितेंद्र राव, केजीएमयू आदि प्रमुख लोगों ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य निर्मल कुमार वर्मा ने किया कार्यक्रम के प्रारंभ में मंदिर समिति के अध्यक्ष महंत उमाशंकर ने सभी संतो एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर राम अभिलाष वर्मा, अमरनाथ यादव, एडवोकेट बालकिशन पाल सुनील कुमार वर्मा वरिष्ठ पत्रकार पंवन पांडे अमरनाथ वर्मा, भानु प्रताप सिंह, बलराम वर्मा, कृष्णा प्रसाद वर्मा, विनोद कुमार, संत शील दास, सोनू, श्याम मूर्ति यादव एडवोकेट आदि प्रमुख गणमान्य जन भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव से बढी परेशानी

अयोध्या –मिल्कीपर तहसील क्षेत्र में रात से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते गांवों में घुसा पानी, ग्रामीण हो रहे परेशान ग्रामीणों की पानी की निकासी के लिए नहीं है कोई व्यवस्था इस ओर संबंधित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि का नहीं जा रहा ध्यान, लगभग 1 मीटर हुआ जलभराव है। मिल्कीपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत पाराधनथुवा पूरे ज्वाला पाठक गांव में रात से ही हो रही मूसलाधार बारिश के चलते गांव के चारों ओर जलभराव हो गया है। जिससे लोगों को घर से निकलने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव में नाली ना होने के चलते हो रही है परेशानियां, लेकिन किसी भी ब्लॉक के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि का ध्यान नहीं जा रहा, लोगों के घरों में पानी घुस गया है, ग्रामीणों का कहना है कि यदि 200 मीटर नाली की व्यवस्था करा दी जाए तो पूरे गांव को इस समस्या से निजात मिल सकती है।गांव के मोहम्मद अयूब, सुदामा पाठक, कमलकांत ऊर्फ पिंकू पंडित, रोहित कुमार, चंद्रशेखर, सुदामा, शिवमंगल, शिव प्रसाद आदि लोगों का कहना है कि या तो 20 वर्ष पहले इस तरह का जलभराव हुआ था, कि लोगों के घरों में पानी घुस गया था या तो आज हो रही मूसलाधार बरसात से देखने को मिला है। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज के मौसम वैज्ञानिक अमरनाथ मिश्रा ने बताया कि आगामी 24 घंटे अभी मौसम साफ नहीं होगा, गरज चमक के साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश में बरसात होती रहेगी आज सुबह 7:00 बजे 120.0 मि0मी0 बरसात रिकार्ड की गई है। अभी भी बरसात जारी है। ग्राम पंचायत खिहारन में दलित बस्ती भारी बरसात के कारण जलमग्न हो गई है।बीते दो दिनों से हो रही जोरदार बारिश के कारण दर्जनों घरों में बारिश का पानी घुस गया है। गांव को फोरलेन को जोड़ने वाली मुख्य काली सड़क भी पानी में डूब गई है।जलभराव एवं भारी बारिश के बीच असहाय दलित बस्ती के निवासी बारिश रुकने की प्रार्थना कर रहे हैं।बताते चलें कि ग्राम पंचायत में पानी के निकास की समस्या होने के कारण प्रतिवर्ष बारिश के मौसम में दलित बस्ती जलमग्न हो जाती है। गोसाईगंज कस्बे में झमाझम हुई बारिश ने अपना कहर बरपाया है।कंही कोई बड़ा हादसा तो नही हुआ लेकिन चारो तरफ पानी ही पानी भर गया।. शाम चार बजे गुल हुई इलाके की विद्युत व्यवस्था दोपहर बाद ही बहाल हो सकी।कस्बे में मौजूद दुर्गा पंडालो में भी पानी ही पानी नजर आया।वंही दूसरी तरफ इलाके में किसानों की मेहनत पर पानी ने कहर बरपाया है।इस समय धान की फसल फूट रही है।खेतो में पानी भर जाने से खड़ी फसल गिर गयी है।जिससे किसानों के चेहरे मुरझा गए है।किसानों का कहना है कि बेमौसम की बरसात उनके सारी मेहनत व लागत पर पानी फेर दिया है।किसान रामपाल, राम उजागिर,मेहीलाल,भवानीफेर आदि का कहना है कि हमारी फसल गिर कर चौपट हो गयी है।

सड़कों पर बने गड्ढे बारिश से तालाब में तब्दील,आक्रोश जताया

कानपुर। रतनलाल नगर इलाके के महादेव नगर सड़कों पर इतने बड़े गड्ढे बन गए हैं कि बारिश में तालाब बन गए। सड़क बनाने की गुहार काम नहीं आई लोग भरे हुए पानी में ही लेट गए और नारेबाजी करने लगे। भारी आक्रोश जताया। गोविंदनगर विधानसभा क्षेत्र वार्ड नंबर 34 में महादेव नगर कच्ची बस्ती पुल रतनलाल नगर से रेलवे क्रॉसिंग तक लगभग आधा किलोमीटर सड़क है जो क्षतिग्रस्त हो चुकी है। विरोध प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रीय लोगों का कहना कि क्षेत्रीय विधायक से लेकर पार्षद और नगर निगम के अफसरों को लिखित जानकारी दी जा चुकी है मगर कोई सुनवाई नहीं हुई। जब गड्ढों में पानी भर जाता है तो बच्चों का स्कूल जाना ही मुश्किल हो जाता है। प्रदर्शन के दौरान कृष्ण कुमार सिंह चकित, गुड्डू, ननकीबाई,अन्नू व सुजीत आदि मौजूद रहे।

पोषण ट्रैकर फीडिंग में लगातार 6वीं बार प्रदेश में प्रथम स्थान पर उन्नाव

उन्नाव । उन्नाव में जिला कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार मिश्र, बाल विकास परियोजना के अधिकारियों व प्रभारीयों एवम आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के अथक प्रयासों से जनपद में निरन्तर कुपोषण में कमी दर्ज की गई है वही सुपोषण में वृद्धि हो रही है। कुपोषण को दूर करने के लिए जनपद स्तर पर कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी क्रम में जनपद में संचालित कुल 3352 आंगनबाड़ी केन्द्रों में 0 से 5 वर्ष तक के कुल 228704 पंजीकृत बच्चों में कुपोषण की निगरानी हेतु प्रत्येक माह वजन एवं लम्बाई लेकर पोषण ट्रैकर ऐप पर फीडिंग की जाती है। माह, सितम्बर–2022 में आंगनबाड़ी केन्द्रों में पंजीकृत (0–5 वर्ष) 226899 बच्चों का वजन एवं लम्बाई लेकर पोषण ट्रैकर ऐप पर फीडिंग की गयी। जिसमें पूरे प्रदेश में जनपद उन्नाव ने लगातार 6वीं बार प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसी प्रकार पोषण ट्रैकर ऐप पर आधार फीडिंग एवं सीडिंग में भी कुल पंजीकृत 271621 लाभार्थीयों में से 270399 का आधार प्रमाणीकरण किया जा चुका है। जिसमे जनपद ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

मूसलाधार बारिश से शहर हुआ पानी–पानी, दावों की खुली पोल

मौसम वैज्ञानिक बोले 120.0 मिमी रिकॉर्ड की गई बरसात

अयोध्या। शुरू हुई मूसलाधार बारिश ने अयोध्या नगर निगम के विकास के दावों की पोल खोलकर रख दी है। बारिश से शहर की कई सड़कें जलमग्न हो गई हैं वही कई लोगों के घरों में पानी घुस गया है, शहर के नाले उफान पर रहे।

शहर की यह दशा हो गई कि नाले, सड़कें सभी एक दूसरे में मिल गए और इनके ऊपर से पानी का बहाव हो रहा है। राम नगरी के विकास के दावों पोल भी खुल गयी है, राम जन्मभूमि से मात्र 500 मीटर दूरी पर स्थित कॉलोनी जलवानपुरा है जहां पर एक मंजिल तक पानी भर गया है लोगों के घरों में घरेलू उपकरण पानी मे तैरते नजर आ रहे हैं लोगों ने शासन और प्रशासन से गुहार लगाई तो कार्रवाई के नाम पर भी मात्र खानापूर्ति रही यह हाल तब है जब मुख्यमंत्री लगातार अयोध्या के विकास की मानिटरिंग खुद करते रहते हैं राम नगरी के जलवानपुरा में लगभग तीन दर्जन से ज्यादा घरों में पानी घुस गया है या यूं कहा जाए कि सैकड़ों लोग इन दिनों हल्की बारिश में जलभराव की समस्या से परेशान हैं छोटे–छोटे बच्चे घर के बुजुर्ग लोगों को असुविधाएं का सामना करना पड़ रहा हैं लोगों ने एक मंजिल छोड़ कर घरों की छतों पर शरण ले रखी है जलभराव के हालात बेहद भयानक है जलभराव की वजह से पूरी कॉलोनी की लाइट काट दी गई है और अब आम जनमानस मूलभूत सुविधाओं से परेशान है । मंडलायुक्त नवदीप रिणवा ने बताया कि रात में ही फोन आया था जलवान पूरा में पानी भरने की शिकायत की गई थी जिसके बाद मैंने रात में नगर निगम और जल निगम दोनों को सूचित किया था मौके पर भेजा था आज सुबह मेरे द्वारा स्थलीय निरीक्षण भी किया गया पंप लगवा कर कॉलोनी से पानी बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है इसके अलावा इस समस्या का स्थाई इलाज किए जाने का प्रयास किया जा रहा है नगर निगम के नगर आयुक्त को मौके पर भेजा गया है अधिकारियों को लगाया गया है ।

मूर्ति विसर्जन के दौरान डूबा श्रद्धालु का नहीं पता चला

कानपुर देहात।देवीमूर्ति विसर्जन के दौरान पांडु नदी में डूबे शिवली निवासी एक श्रद्धालु का दूसरे दिन भी पता नहीं लग सका। देर रात तक गोताखोरों की तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चलने से परिजन बेहाल हैं। शिवली कस्बे के राम नगर मोहल्ले के निवासी राम किशन उर्फ खुर–खुर (58) कस्बे के जवाहर नगर में कबाड़ के स्टोर में काम करता था। नवरात्र समापन के बाद ..वह मां दुर्गा की मूर्ति विसर्जन कराने के लिए पांडु नदी तट पर गया था। मूर्ति विसर्जन के बाद नहाते समय वह नदी में डूब गया। सूचना पर कोतवाल राजेश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे, इसके बाद बसेन गांव से गोताखोर सुरेश कश्यप,राम आसरे,जगदीश आदि को बुलाकर उसकी तलाश शुरू कराई। सुबह फिर उसकी तलाश हुई लेकिन तक पता नहीं चला।

18 डेंगू के मरीज,एक की मौत हुई,फिर भी स्वास्थ्य विभाग का यह रवैया

उन्नाव नवाबगंज। कस्बे के पछियांव मोहल्ले में बुखार का कहर लगातार जारी है। स्वास्थ्य विभाग इस ओर गम्भीर नही है। मोहल्ले में एक दर्जन से अधिक डेंगू के मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। जिसके बाद भी स्थानीय स्वास्थ्य विभाग कोई ठोस कदम नही उठा रहा है। प्रभारी सीएचसी केवल अधिकारियों की एडवाइजरी को ओवरटेक कर खुद से एडवाइजरी जारी कर रहे है। दिमागी बुखार से पीड़ित एक युवक को परिजन लखनऊ इलाज के लिए लेकर गए हैं। बता दे कि कस्बे के पछियांव मोहल्ले में 18डेंगू के मरीज व 102 लोगो मे बुखार की पुष्टि हुई थी। लेकिन विभाग के आलाधिकारियों ने अब तक इस ओर कोई भी ध्यान नही दिया है। हालांकि मामले में डीएमओ रमेश कुमार यादव ने सीएचसी प्रभारी डॉक्टर अरुण कुमार को प्राइवेट पैथालॉजी द्वारा जांच रिपोर्ट का सैम्पल जिला अस्पताल न भेजने के निर्देश पर कार्रवाई के किये कहा था।

लेकिन प्रभारी सीएचसी ने कार्रवाई की बजाय सीएमओ से जारी एडवाइजरी पर एक और एडवाइजरी जारी कर जिम्मेदारी से इति श्री कर ली है। पछियांव मोहल्ले में अब तक विभाग ने कोई एक्शन नही लिया है,न ही कैम्प लग रहा है,न ही विभाग बुखार के मरीजों के सैम्पल ले रहा है। जिससे स्थितियां विकराल हो रही है। .. पछियांव मोहल्ले का ही सूर्य कुमार (11) नामक युवक दिमागी बुखार की चपेट में है। जिसका लखनऊ ट्रामा सेंटर में परिजन इलाज करा रहे है। जहां उसकी हालत नाजुक बताइ जा रही है। डीएमओ रमेश कुमार यादव ने बताया कि सीएचसी प्रभारी के स्तर से लापरवाही की जा रही है। जिसकी रिपोर्ट जिलाधिकारी व शासन को भेजी जाएगी। डेंगू से एक मौत भी हो चुकी है: नवाबगंज। बिछिया ब्लॉक के भाड़ी गाँव निवासी कपिल रावत (27) की डेंगू के बुखार से मौत हो चुकी है। कपिल का इलाज भी पछियांव मोहल्ले के ही अस्पताल में चल रहा था।हालत बिगड़ने पर लखनऊ में भर्ती कराया गया था। जहां दो दिन पूर्व उसकी मौत हो गई थी। मामले में अब तक स्वास्थ्य विभाग न मृतक के घर पहुच जांच करना तक गवारा नही किया है।

किसान मजदूर जागृति दिवस के रूप में मनाई टिकैत की 87वीं जयंती

चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत ने हिंदुस्तान में किसानों को संगठित करके लड़ने की दी ताकत: घनश्याम वर्मा

अयोध्या । किसानों के मसीहा, भारतीय किसान यूनियन के संस्थापक अध्यक्ष चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 87 वी जयंती गांधी पार्क (निकट सिविल लाइंस) जनपद अयोध्या में मनाई गई। भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों ने चौधरी टिकैत के चित्र पर माल्यार्पण करके एवं मिष्ठान वितरित करके चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत के जन्मदिन को' किसान मजदूर जागृति दिवस' के रूप में मनाया। उक्त अवसर पर उपस्थित भारतीय किसान यूनियन कार्यकर्ताओं ध्पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा ने कहा कि चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत हिंदुस्तान में किसानों को संगठित करके लड़ने की ताकत दिया जिसके कारण भारत का किसान आज स्वाभिमान के साथ है अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन कर रहा है। चौधरी टिकैत समाज में व्याप्त बुराइयों को समाप्त कराने का अभियान चलाया ,दहेज व नशाखोरी पर लगाम लगाने के लिए समाज को जागृत किया,चौधरी टिकैत के आदर्शों को गांव गांव तक पहुंचा कर किसानों मजदूरों को जागृत करने का संकल्प लिया गया। जिला अध्यक्ष सूर्यनाथ वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत का जन्म आज ही के दिन किसानों मजदूरों के कल्याण के लिए हुआ था किसानों मजदूरों के कल्याण के लिए हम सभी को एक होकर कार्य करना होगा। जन्म दिवस कार्यक्रम में जिला सचिव पंकज सिंह, जगन्नाथ पटेल ,दशरथ सिंह, राकेश वर्मा, बाबूराम तिवारी, बुधीराम मौर्य, हुबलाल प्रजापति ,शिव कुमार प्रजापति, उर्मिला निषाद, लीलावती, जितेंद्र कुमार, दामोदर दास, भूपेंद्र दुबे एडवोकेट, आदि लोग शामिल रहे।

बारिश के चलते 07 नवंबर व 08 नवंबर को माध्यमिक विद्यालय बंद रहेंगे:जिलाधिकारी डा. महेंद्र कुमार

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसीपुर/बलरामपुर। जिला अधिकारी बलरामपुर डॉक्टर

महेंद्र कुमार ने लगातार बरसात की स्थिति को देखते हुए07ध्08 नवंबर तक बंद रहने का आदेश दिया है। जिलाधिकारी ने लोगों से अपील की है कि पानी की स्थिति को देखते हुए सभी लोग सावधानी बरतें कच्चे घरों में जहां लगातार बारिश का असर हो रहा है वहां पर अलग शरण ले ले विद्युत खंभे के पास ना जाएं नदी नालों के किनारे ना जाएं और ना लोगों को नहाने का अवसर दें बच्चों को इन सब से दूर रखें. उन्होंने संबंधित विभागों को भी सचेत रहने का आदेश दिया है।

बारिश से बढ़ी मुश्किलें: स्कूल का गिरा गेट

कानपुर। जनपद में रुक–रुककर बारिश का दौर जारी रहा। बारिश ने लोगों को ठंड का भी अहसास करा दिया है। वहीं शहर में बारिश से जगह–जगह जलभराव हो गया है। वहीं अशोक नगर स्थित वासुदेव इंटर कॉलेज स्कूल का गेट दीवार समेत गिर गया। इसके अलावा विष्णपुरी में फुटपाथ धंस गया। बंगाल की खाड़ी में आए नोरू तूफान ने मौसम विज्ञानियों के अनुमान भी तोड़ दिए। मौसम विज्ञानियों ने संभावना जताई थी कि 4 दिनों में 30 से 40 मिमी. बारिश होगी। जबकि एक दिन में ही 60 मिमी. तक बारिश हो गई। भी सुबह से रुक–रुककर बारिश का दौर जारी है। जबकि शाम 5 बजे तक 53.2 मिमी. बारिश रिकॉर्ड की गई थी। बारिश से जगह–जगह जलभराव भी हो गया। जूही खलवा पुल,सर्वोदय नगर, विजय नगर, शास्त्री नगर, जेके टैंपल रोड, अनवरगंज ढाल, मरियमपुर रोड, गोविंद नगर मार्केट, मोतीझील रोड समेत अन्य जगहों पर जलभराव हो गया है।

वहीं जलभराव को दूर करने के लिए नगर निगम ने टीमें सक्रिय कर दी हैं। सीएसए यूनिवर्सिटी के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया, ष्भारतीय मौसम विभाग ने भी पूर्वानुमान जारी कर हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार में अगले 2 दिन तक बारिश हो सकती है। कानपुर सहित यूपी के पूर्वी जिलों में भारी बरसात होने की आशंका पर अलर्ट जारी किया गया है। तापमान में भी उतार चढ़ाव बना हुआ है। कहीं हल्की, तो कहीं मध्यम जारी रहेगी। बीती रात से ठंडी हवाएं चलना शुरू हो गई थी, इसकी वजह से रात के तापमान में ही काफी कमी आ गई थी।

इस बारिश में रबी फसल की करे बुआई

कानपुर। सीएसए विवि के प्रसार निदेशालय स्थित लाल बहादुर शास्त्री सभागार कक्ष में चंद्रशेखर कृषक समिति की मासिक बैठक हुई। अध्यक्षता सह–निदेशक प्रसार डॉ.पीके राठी ने की। वैज्ञानिक डॉ.राजीव ने रबी की फसलों जैसे आलू, चना, मटर, मसूर आदि की बुआई की तकनीकी जानकारी दी। ये बारिश,रबी की फसलों के लिए फायदेमंद है। इस बारिश की नमी को संचय कर रबी फसल की बुआई करें। इससे किसानों का पलेवा में होने वाले खर्च की बचत होगी। डॉ. सोमबीर,डॉ. शशिकांत रहे। समिति के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश सिंह समेत कानपुर नगर, कानपुर देहात, फतेहपुर, औरैया, कन्नौज व उन्नाव के किसानों ने प्रतिभाग किया।

जयकारों के साथ हुआ दुर्गा प्रतिमाओं का बिसर्जन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शरदीय नवरात्र पर कस्बे में स्थापित सभी दुर्गा प्रतिमाओं को गगनभेदी जयकारों के साथ स्थानीय डोई नदी में विसर्जित कर दिया गया। मूर्ति विसर्जित करने पहुंचे लोग रात भर अबीर–गुलाल से सराबोर रहे। बारिश के बीच भी रात भर लोग डीजे की धुन पर थिरकते रहे। बताते चले दुर्गा प्रतिमाओं के बिसर्जन को लेकर आनन–फानन में दुर्गा पूजा संचालन समिति के अध्यक्ष सौरभ गुप्ता की अगुवाई में स्थानीय श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में गुरूवार की दोपहर 12 बजे सभी पाण्डाल अध्यक्ष समेत समिति के पदाधिकारियों की एक बैठक बुलाई गई, जिसमें समिति के पूर्व महामंत्री मनोज गुप्ता, समाजसेवी नीलू रूँगटा, भीम चौधरी, बनवारी गुप्ता ने अपने अपने विचार व्यक्त किये। दिन अथवा रात्रि में दुर्गा प्रतिमाओं के बिसर्जन की उहापोह की स्थिति को स्पष्ट करते हुए यह निर्णय लिया गया कि बिसर्जन रात्रि में ही होगा। रात्रि विसर्जन निर्णय को लेकर सबसे ज्यादे समस्या शार्ट–सर्किट को लेकर आ रही थी। शार्ट–सर्किट से बचाव के उपाय को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है दुर्गा प्रतिमाओं पर जनरेटर न हो, डीसी लाइट प्रयोग में लायी जाय और डीजे सेटअप की ट्राली आदि से ही अलग लाइट उपयोग में लाई जाय। इस दौरान बरसात को देखते हुए समिति अध्यक्ष सौरभ गुप्ता द्वारा सभी पांडालों पर त्रिपाल की व्यवस्था कराई गई।

■ प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूद में शांतिपूर्ण तरीके से विसर्जित हुई देवी प्रतिमाएं
■ भक्ति के आगे फिंकी पड़ी बरसात, पूरी रात डी जे की धुन के साथ मां के जयकारों पर थिरकते रहे श्रद्धालु

इसी कड़ी में शोहरतगढ़ क्षेत्र के कस्बा समेत नीबी दोहनी, गड़ाकुल, छतहरी, छतहरा, मेढ़वा, नरायनपुर गांव में स्थापित देवी प्रतिमाओं को विसर्जित करने के लिए गुरुवार की रात्रि में डोला उठा। बजरंग अखाड़े के निकला डोला अनूप कसौधन तिराहा पहुंचा और दुर्गा पूजा संचालन समिति के पदाधिकारियों द्वारा नियमानुसार डोला क्रम में लगवाते रहे। श्रीराम जानकी स्थ के पीछे सभी प्रतिमाएं साथ श्रीराम जानकी मंदिर से डोला अनूप कसौधन के घर से वापस पुलिस पीकेट, रामजानकी मंदिर मार्ग, सरकारी अस्पताल, गड़ाकुल होते हुए वापस टाउन एरिया ऑफिस, गोलघर, भारत माता चौक, सोनारी मोहल्ला होते हुए प्रेम लगी पहुंची। इसके बाद मोती चौक होते हुए डोई नदीं पहुंची।

यहां भक्तों ने एक–एक कर प्रतिमाओं को विसर्जित किया। भक्त मां के जयकारों, अबीर–गुलाल के साथ भक्ति गीतों पर रात भर थिरकते रहे। जगह–जगह लोगों ने देवी दुर्गा लगती रही। दुर्गा प्रतिमाओं का की अर्चना कर विदाई दी। इस वर्ष बारिश की बूंदें श्रद्धालु की आस्था को डिगा न पाई। श्रीरामजानकी मंदिर से निकलने वाला बजंरग अखाड़ा परंपरागत तरीके से खेला गया। सभी को कला व शक्ति कौशल प्रदर्शन का मौका भी दिया गया। डोला का संचालन कर रहे अध्यक्ष सौरभ गुप्ता ने कार्यक्रम सकुशल सम्पन्न होने पर प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। विदित हो दोई घाट पर मूर्ति विसर्जन हेतु ग्राम प्रधान महदेवा नानकार राममिलन चौधरी द्वारा गोताखोरों की मदद से सभी मूर्तियों का सकुशल बिसर्जन कराया गया। इस दौरान उपजिलाधिकारी उत्कर्ष श्रीवास्तव, सीओ जय राम, तहसीलदार राजेश प्रताप सिंह, नायब तहसीलदार गौरव कुमार, सदर कानूनगो शारदा प्रसाद मिश्रा, लेखपाल अनिरुद्ध चौधरी, लेखपाल रामकुमार तिवारी, सुनील श्रीवास्तव सहित सुरक्षा व्यवस्था में इंस्पेक्टर पंकज कुमार पाण्डेय, चौकी प्रभारी खुनुवा उपनिरीक्षक महेन्द्र चौहान, उपनिरीक्षक रामा प्रसाद यादव, का अशोक पासवान, का शैलेश शर्मा, का लव सिंह सैथवार समेत पीडब्लूडी के राणा सिंह, सांसद प्रभारी सूर्य प्रकाश पाण्डेय, मनोज कुमार गुप्ता, शैलेन्द्र कौशल, महेश गुप्ता, कृष्ण कुमार अग्रवाल, दुर्गा प्रसाद त्रिपाठी, नन्दू गौड़, श्यामसुंदर चौधरी, राजकुमार मोदनवाल, सोनू निगम उर्फ पहलवान, अनूप कसौधन, रवि अग्रवाल, राकेश वर्मा, नीलू रुंगटा, सर्वेश कुमार खेतान, रवि गुप्ता, दीपक कौशल, दीनानाथ गुप्ता, श्यामू कसौधन, राजेश गुप्ता, दुर्गा पटवा, गोपाल, राजाराम चौरसिया, विकास त्रिपाठी, राजेश अग्रहरि, घनश्याम गुप्ता, राजेन्द्र भारती, रवि गुप्ता, कैलास पटवा, सुपरस्टार गौरीशंकर देहाती, राजू बाबा, आयुष निगम, राजेश आर्य, प्रेम आर्य, दुर्गेश तिवारी सहित दुर्गा पूजा संचालन समिति के समस्त पदाधिकारी एवं वालंटियर्स टीम मौजूद रहे।

जनपद मुख्यालय पर बनेगा प्रेस क्लब, मान्यता प्राप्त पत्रकार संघ को जिलाधिकारी ने दिया आश्वासन

प्रेस क्लब भवन की भूमि को देने के लिए डीएम तैयार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद मुख्यालय के पत्रकारों का एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को जिलाधिकारी से मिला और उनसे कपिलवस्तु महोत्सव को लेकर विशेष चर्चा किया। जिसके क्रम में प्रेस क्लब भवन की भूमि को लेकर भी वार्ता की गयी। डीएम संजीव रंजन ने इन दोनां मसलों पर पत्रकारों को आश्वासन दिया कि जल्द ही इन मसलों को लेकर एक और बैठक की जायेगी। जिसमें सभी पत्रकारों के सुझाव लिये जायेंगे। साथ ही उन्होंने प्रेस क्लब भवन के लिए 2 हजार वर्ग फुट से अधिक की भूमि शीघ्र उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। मनसा प्राप्त पत्रकार संघ ने जिलाधिकारी से मुलाकात करने के बाद पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ नगर से भी मुलाकात किया जिसमें मुख्य रुप से पत्रकारों के उत्पीड़न को लेकर वार्ता की गई पुलिस अधीक्षक से वार्ता करते हुए महामंत्री राजेश शर्मा ने कहा कि आए दिन थानों पर पत्रकारों के साथ भेदभाव किया जाता है जिसको तत्काल रोके और किसी पर भी आपको शक है तो सूचना विभाग से उसको प्रमाणित करवाएं बेवजह किसी भी पत्रकार को पुलिस परेशान ना करें जिसको लेकर पुलिस अधीक्षक ने आश्वासन दिया कि जनपद के किसी भी थानों पर पत्रकारों के साथ कोई भी भेदभाव नहीं किया जाएगा उन्हें सम्मान पूर्वक सुना जाएगा और किसी भी थानेदार द्वारा इस प्रकार की कोई बात कही जाती है तो उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में मान्यता प्राप्त पत्रकार संगठन के अध्यक्ष एम.पी. गोस्वामी, महामंत्री राजेश शर्मा,उपाध्यक्ष प्रदीप वर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैलाश नाथ द्विवेदी, कोषाध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव समेत बी.पी. त्रिपाठी, प्रदीप सिंह, हाजी रईस, बालमुकुन्द त्रिपाठी, संदीप मद्धेसिया, छायाकार ब्रहमदीन वरूण उर्फ सोनू परितोष मिश्रा ,सूचित वर्मा सुधाकर मिश्रा, जाकिर खान सहित दर्जनों पत्रकारों की उपस्थिति रही।

मोहम्मद इदरीश राईनी ने सफाई नायकों के साथ किया बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को जश्ने ईद मिलादुन्नबी को

देखते हुए नगर पालिका कार्यालय में एक आवश्यक बैठक किया गया। अध्यक्ष मोहम्मद इदरीश पटवारी की अध्यक्षता में सभी सफाई नायक, पथ प्रकाश, जल पूर्ति के प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए की जहां जहां से जुलूस गुजरे वहां जलजमाव की समस्या हो उसे साफ किया जाए रास्ते साफ–सुथरे हो चूना ब्लीचिंग मेलाथियान का छिड़काव और जहां जहां लाइट खराब हो वहां लाइट ठीक कराई जाए तथा समय से जल आपूर्ति की जाए किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं है। बैठक में रामचरण यादव, राजकुमार पांडे, राजेश वर्मा, प्रमोद अग्रहरी, राघवेंद्र द्विवेदी, करीम अहमद सुधीर कुमार आदि मौजूद रहे।

सड़क पर जल जमाव से ग्रामीणो का आवागमन बाधित, जिम्मेदार करते नजर अंदाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बर्डपुर/सिद्धार्थनगर। प्रदेश सरकार की मनसा से जिले में सड़कों का जाल चारो तरफ तेजी से फैलाया जा चुका है। शहरी इलाकों व गांवों के गलियों को भी सीसी रोड में तब्दील किया जा रहा है। भ्रस्टाचार में संलिप्त हर जगह डाका डाल देते हैं और वे मानक के विरुद्ध गांव की सड़को और गलियों में रोड़ बनवा ते हैं।

नौडिहवा गांव में जमा पानी, आवागमन बाधित

सिद्धार्थनगर के बर्डपुर ब्लाक के अधिकांश गांवों में गड्ढायुक्त सड़कें अभी तक ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनी हैं। बर्डपुर नं 10 के ग्राम नौड़िहाव के समस्त ग्रामीण को अगर थोड़ा सा भी बारिश हो जाए तो आने वा जाने वाले रास्ते पर बहुत ज्यादा मुस्किलो का समना करना पड़ता है। इस गांव की सड़क पर महीनों मुख्य मार्ग पर पानी जमा होने के कारण आवागमन बाधित रहता है। गंदे पानी मे स्कूली बच्चे,बूढ़े, महिलाएं, युवाओं को रोजाना आना जाना पड़ता है। इसमें आने जाने बीमारी फैलने की भय बना रहता है। गांव वालों ने ग्राम प्रधान से कहा जाता है तो बहाना बनाकर कार्य करने में कोताही बरतने लगते हैं। ऐसे में ग्रामीण जाए तो किसके पास जाए जिससे सड़क ठीक प्रकार से बन जाए। सांसद और विधायक जी तो झांकने तक नहीं आते हैं केवल चुनाव के समय नजर आते हैं। सरकार और प्रशासन से ग्रामीणों ने घुहार लगाई है कि जल्द जल्द उनकी समस्याओं का समाधान हो। लवकुश चौधरी, गंगाराम राय, ताराचंद कुमार, धनमेंद्र साहनी, आकाश पटेल आदि लोगों ने उक्त समस्या की जानकारी दिया।

आकाशीय बिजली गिरने से व्यक्ति की मौत परिवार में छाया मातम

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र उसका बाजार के सियरापार गांव में आकाशीय बिजली गिरने से 34 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो

गई जिसका नाम सुरेश पुत्र नंदलाल है कल दोपहर में तेज गरज और झमाझम बारिश होने लगी और एक व्यक्ति के ऊपर आकाशीय बिजली गिरने से मौके पर मौत हो गई जानकारी के मुताबिक मृतक व्यक्ति सिवान में घूमने गया था जिसकी वहा आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई परिजनों को जैसे ही मृत्य की सूचना मिलते ही मातम में बदल गया वही कपिलवस्तु के विधायक श्याम धनी राही ने मृतक परिजनों से मिलकर ढाढस भी बढ़ाया है थाना प्रभारी राजेश तिवारी ने पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही में जुट गई घटना स्थल पर उपजिलाधिकारी प्रदीप कुमार यादव, तहसीलदार ऋषि रमन लेखपाल पहुंचकर आगे की कार्यवाही में जुटे है।

फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में किसानों को जागरूक किया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड बांसी

के ग्राम पंचायत किशुंधरजोत में शुक्रवार को इन–सीटू फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र सोहना सिद्धार्थनगर के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा इन–सीटू फसल अवशेष प्रबंधन पर गाँव स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉ शेष नारायण सिंह न फसल अवशेष के जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में बताया की पर्यावरण में कार्बनऑक्साइड, कार्बनमोनो ऑक्साइड जैसे हानिकारक पदार्थ घुल कर पशुओ एवं मनुष्यों में स्वास्थ सम्बन्धी समस्याएं उत्पन्न करते हैं इसलिए किसान भाई फसल अवशेष नहीं जलाये। कृषि वैज्ञानिक डॉ सर्वजीत नें किसानों को बताया फसल अवशेषों को खेत में ही डिकम्पोजर की सहयता से सड़ाये द्य 25 लीटर पानी में 1 से 2 किलोग्राम गुड़ को मिलाकर हल्की आंच पर उबालें, उबालनें के बाद ठण्डा करें इसके बाद डिकंपोजर की एक कैप्सूल को घोलें और फिर घोल को 3 से 4 दिन के लिये रख दें इसके बाद 10 लीटर प्रति एकड़ प्रयोग करें जिससे 20 से 25 दिन में फसल अवशेष सड़कर खाद बन जायेगा। कार्यक्रम सहायक डॉ एस के मिश्रा ने बताया की नत्रजन, फास्फोरस, पोटाश सल्फर और, सूक्ष्म पोषक तत्व फसल अवशेष जलाने से नष्ट हो जाते हैं यदि किसान धान के अवशेष को प्रभावी तरीके से अपने खेत में ही कृषि यंत्रो से या डीकम्पोजर की सहायता से खेतों में ही मिलाकर सड़ाते हैं तो अगली फसल की शुरुआती अवस्था में लगभग 40 प्रतिशत नत्रजन, 30 से 35 प्रतिशत फासफोरस, 80 से 85 प्रतिशत पोटाश और 40 से 45 प्रतिशत सल्फर की पूर्ति हो जाती है इसलिए किसान भाई फसल अवशेष न जलाकर खेत में ही सड़ायेद्य प्रगतिशील किसानों ने भविष्य में भी फसल अवशेष को ना जलाने के लिए सभी किसान भाई के साथ ही संकल्प लिया कि हम फसल नहीं जलाएंगे। कार्यक्रम में दिनेश पांडेय, ओम प्रकाश,, महेश, राम नेवासा, सिराजुद्दीन, राधेश्याम, मोतीलाल बलराम शिव पूजन बाल केश गजेंद्र रामचंद्र राधेश्याम पांडे राम संवारे अजीत मौर्य आदि किसान उपस्थित रहें।

सम्पादकीय

गर्मियों में प्यास लगने पर, सफर में रहते हुए और मेहमाननवाजी निभाने के लिए हम अक्सर शीतल पेय के रूप में कार्बोनेटेड सोडा यानी साफ्ट ड्रिंक्स का प्रयोग करते हैं। साफ्ट ड्रिंक के अत्यधिक प्रयोग से दांतों का क्षय होता है। हम दूध, लस्सी, ताजे नींबू अथवा नारियल पानी तथा फलों के ताजे रस के बजाय साफ्ट ड्रिंक को ...

चिंता समान है चिंता

बचपन से ही हम एक सूत्र सुनते आ रहे हैं, और वह है .. 'चिंता. चिता के समान है।' अनावश्यक चिंता करेंगे तो तनाव बढ़ेगा, तनाव बढ़ेगा तो खानपान अस्त–व्यस्त होगा, और शरीर में भिन्न–भिन्न बीमारियों को घर करने का मौका मिलेगा। आज हर डाक्टर हमें तनाव के विरुद्ध चेतावनी देता है और तनाव से बचने के लिए योग सहित तरह–तरह के उपाय सुझाए जाते हैं। चिंता एक मानसिक स्थिति है और इससे उबरने के लिए विशेष प्रयत्न अथवा काउंसिलिंग की आवश्यकता होती है। पर कई ऐसी अन्य आदतें भी हैं जिनके कारण हम अपना स्वास्थ्य खुद ही खराब करते हैं और थोड़ी–सी सावधानी से हम बहुत सी बीमारियों से बच सकते हैं। आज मोबाइल फोन हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन गया है। स्मार्टफोन की सुविधाओं ने हमारे जीवन में क्रांति ही ला दी है, परंतु मोबाइल फोन के अत्यधिक प्रयोग ने कई समस्याएं भी खड़ी की हैं। एसएमएस, ह्वाट्सऐप, यूट्यूब, सोशल मीडिया, गेम्स और म्यूजिक की सुविधा ने स्थिति को और भी जटिल बना दिया है। इन सुविधाओं ने जहां मोबाइल फोन पर हमारी निर्भरता को बढ़ाया है, वहीं कई समस्याएं भी पैदा की हैं। हमेशा ह्वाट्सऐप करते रहने वाले लोगों के हाथों की उंगलियों में जकडन अथवा दर्द की शिकायत हो सकती है, हाथ खाली न होने पर गर्दन टेढ़ी करके फोन सुनने पर अथवा मोबाइल फोन पर गेम खेलने के लिए सदैव गर्दन झुकाए रहने पर सर्वाइकल की समस्या हो सकती है और ईयर–फोन से लगातार संगीत सुनने पर बहरेपन की शिकायत हो सकती है। एक ताजा अध्ययन में पाया गया है कि ईयर–फोन से लगातार संगीत सुनना इतना ही खतरनाक है जितना जेट विमान के इंजन के शोर में लगातार रहना। कान की नाडियों की कोशिकाएं जो ध्वनि तरंगों को दिमाग तक ले जाती हैं उनमें एक विशेष तरह की कोटिंग होती है जिससे विद्युतीय तरंगों को मस्तिष्क तक जाने में सहायता मिलती है। 110 डेसिबल से ऊपर के तेज शोर में कोशिकाओं की यह कोटिंग कट–फट जाती है और ध्वनि तरंगों के मस्तिष्क तक जाने की प्रक्रिया में बाधा पड़ती है। हालांकि, ईयर–फोन का अत्यधिक प्रयोग बंद होने पर यह कोटिंग दोबारा से ठीक हो सकती है, पर वह ईयर–फोन का अत्यधिक प्रयोग से स्थायी नुकसान स्थायी की आशंका भी होती है। मोबाइल फोन एक सुविधा है, इसे सुविधा ही बने रहने देना चाहिए, रोग नहीं। पिजा, बर्गर, नूडल्स आदि सुविधाजनक भोज्य पदार्थ हैं और राह चलते या सफर में या जल्दी होने पर इन्हें तुरत–फुरत मंगवाया और खाया जा सकता है, लेकिन इनसे मोटापे की शिकायतें बढ़ी हैं। तला हुआ अथवा गरिष्ठ भोजन हमारे शरीर में चर्बी बढ़ाता है और उससे सेहत के बजाय मोटापा बढ़ता है। आज अमरीका में 70 प्रतिशत से भी अधिक लोग, मैं दोहराता हूं, 70 प्रतिशत से भी अधिक लोग मोटापे से पीडिघ्त हैं। हम भारतीय पर पश्चिम की नकल में उन बुराइयों को अनदेखा कर रहे हैं, जो पश्चिमी देशों में रोग बन कर उभरे हैं। यूं भी शरीर की ज्यादातर बीमारियां पेट से पैदा होती हैं, यानी हमारा खानपान गलत हो तो हम कई बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। पीढियों से चले आ रहे विश्वास भी हमारे जीवन में अहम रोल अदा करते हैं और अक्सर हम बिना सोचे–समझे कुछ मान्यताओं को निभाते रह जाते हैं जिनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं होता। भारतवर्ष में सवेरे–सवेरे खाली पेट पानी पीना बहुत स्वास्थ्यकर माना गया है, परंतु विभिन्न अध्ययनों से यह सिद्ध हो चुका है कि काला मोतिया की शिकायत वाले लोगों के लिए यह आदत हानिकारक है क्योंकि इससे उनके आंखों की नाडियों में दबाव बढ़ जाता है जो उनके लिए पीड़ादायक है। वस्तुतरू काला मोतिया से पीडिघ्त लोगों को बड़ी मात्रा में तरल पदार्थ का सेवन ही हानिकारक है। वैसे ही जैसे दूध स्वास्थ्यकर माना जाता है, लेकिन यह हमारी हड्डियों को कमजोर कर देता है, और पीलिया रोग से पीडिघ्त व्यक्ति के लिए तो दूध का सेवन मौत का द्वार ही है। इसी तरह आंखों पर ताजे पानी के छींटे देने की परंपरा है। हमारे देश में जनसंख्या का एक बहुत बड़ा भाग कस्बों और गांवों में रहता है और आज भी हमारे लिए नदियां और पोखर जल का प्रमुख स्रोत हैं। समस्या सिर्फ इतनी है कि इन नदियों अथवा पोखरों का जल यदि प्रदूषित हो तो उनसे आंखें धोने पर लाभ के बजाय हानि होती है।

संसदीय समितियों में बदलाव क्यों?

लोकसभा के कार्यकाल के बीच में संसद की स्थायी समितियों में बदलाव किया गया है। आमतौर पर नई लोकसभा के गठन के समय समितियों का गठन होता है और सत्ता पक्ष व विपक्षी पार्टियों की संख्या के हिसाब से संसदीय समितियों की अध्यक्षता का विभाजन होता है। इस बार लोकसभा का कार्यकाल खत्म होने से डेढ़ साल पहले संसद की स्थायी समितियों का नए सिरे से बंटवारा किया गया है। ऐसा क्यों किया गया है, यह समझना मुश्किल नहीं है। केंद्र सरकार ने तमाम महत्वपूर्ण मंत्रालयों की स्थायी समितियां विपक्षी पार्टियों से ले ली हैं।

असल में सरकार नहीं चाहती है कि डेढ़ साल बाद होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले कोई बड़ा राजनीतिक मुद्दा आए। अगर संवेदनशील मंत्रालयों की अध्यक्षता विपक्ष के पास रहती है तो उसके सामने कोई गंभीर विषय आने पर उसका मुद्दा बन सकता है। तभी विपक्षी पार्टियों से सभी अहम विभाग ले लिए गए हैं। शीर्ष चार मंत्रालयों– विदेश, वित्त, गृह और रक्षा से जुड़ी स्थायी समितियों की अध्यक्षता अब भाजपा के पास है। पहले गृह मंत्रालय की संसदीय समिति की अध्यक्षता कांग्रेस के पास थी और अभिषेक मनु सिंघवी उसके अध्यक्ष थे। लेकिन अब कांग्रेस से यह समिति ले ली गई है। इसी तरह कांग्रेस के पास संचार और प्रौद्योगिकी मंत्रालय से जुड़ी संसदीय समिति भी थी, जिसके अध्यक्ष शशि थरूर थे। लेकिन वह भी कांग्रेस से लेकर भाजपा की सहयोगी शिव सेना के एकनाथ शिंदे गुट को दे दी गई है। असल में इस मंत्रालय को पहले बहुत अहम नहीं माना जाता था लेकिन शशि थरूर ने अपनी सक्रियता से इसे बहुत महत्वपूर्ण बना दिया। उन्होंने फर्जी खबरों, नफरत फैलाने वाली खबरों आदि को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को कठघरे में खड़ा किया और उसके अधिकारियों को संसदीय समिति के सामने बुलाया। इस बीच सरकार ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को नियंत्रित करने के लिए नियम बनाने शुरू किए, जिसे लेकर टकराव की स्थिति बनी। तभी इस संसदीय समिति का महत्व बढ़ा तो कांग्रेस से इसे वापस ले लिया गया।

ऐसा लग रहा है कि अपने राजनीतिक मकसद को ध्यान में रखते हुए सरकार ने संसदीय समितियों कां बंटवारा किया और उसमें किसी लॉजिक का ध्यान नहीं रखा। मनमाने तरीके से बंटवारा कर दिया गया। कांग्रेस के पास दोनों सदनों में 83 सांसद हैं, इसके बावजूद उसे सिर्फ एक वन व पर्यावरण की कमेटी मिली है। बताया जा रहा है कि रासायनिक खाद व उर्वरक मंत्रालय खाली रखा गया है कि अगर कांग्रेस राजी होगी तो उसे दिया जाएगा। दोनों सदनों में 36 सांसदों वाली दूसरी सबसे बडी विपक्षी पार्टी तृणमूल कांग्रेस को एक भी संसदीय समिति की अध्यक्षता नहीं मिली है और देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी सपा को भी एक भी समिति की अध्यक्षता नहीं मिली है।

वैश्विक बिरादरी में किरकिरी

कोरोनिल दवा बनाने और उसे बाजार में उतारने का यह प्रकरण साबित करता है कि सेहत जैसे अनमोल वरदान को देश में कितना सस्ता बना दिया गया है। झाड़–फूंक करने से लेकर नीम–हकीमों की परंपरा भी भारत में अब तक कायम है। तर्कशीलता और वैज्ञानिक सोच को अक्सर दरकिनार कर दिया जाता है। इसके बाद अगर मरीज की जान चली जाए, तो उसे किस्मत की खराबी बता दिया जाता है। इस ...

भारत में बनी सर्दी–जुकाम की दवा का संबंध अफ्रीकी देश गाम्बिया में 66 बच्चों की मौत से जोड़ा जा रहा है। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए शर्मनाक स्थिति बन गई है। बताया जा रहा है कि ये दवाएं हरियाणा के सोनीपत में स्थित एक फार्मास्यूटिकल्स कंपनी की बनाई हुई हैं। 66 बच्चों की मौत के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ को कंपनी को खांसी और जुकाम की 4 पीने वाली दवाओं को लेकर चेतावनी जारी की है। बुधवार को वैश्विक स्वास्थ्य पर प्रेस को जानकारी देने के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि गाम्बिया में पाई गईं चार दवाइयों को लेकर एक चिकित्सा उत्पाद चेतावनी जारी की है जिसके एक्यूट किडनी इंजरी और 66 बच्चों की मौत से जुड़े होने की संभावना है। ये चार दवाएं कफ और कोल्ड सिरप हैं जो भारत में बने हैं। डब्ल्यूएचओ दवा निर्माता कंपनी और भारत में नियामक प्राधिकरणों के साथ आगे जांच कर रहा है। ये दूषित उत्पाद अभी तक गाम्बिया में ही पाए गए हैं लेकिन ये अन्य देशों में भी वितरित की गई होंगी। डब्ल्यूएचओ ने मरीजों को नुकसान पहुंचने से रोकने के लिए सभी देशों को इन उत्पादों की जांच करने और उन्हें हटाने की सलाह दी है। सामानों की गुणवत्ता को लेकर भारत की छवि कुछ खास अच्छी नहीं है। कभी सामान सस्ता बेचने के लिए, कभी अधिक मुनाफे के लिए तो कभी साधारण मध्यमवर्गीय या निम्न वर्ग के लोगों के लिए अक्सर उत्पाद की गुणवत्ता को नजरंदाज कर दिया जाता है। कपड़ों से लेकर खाद्य पदार्थों तक अलग–अलग स्तर के उत्पाद मिलते हैं। निर्यात वाला सामान और घरेलू बाजार में बिकने वाला सामान भी गुणवत्ता के मामले में एक–दूसरे से काफी अलग होता है। गरीब लोग अक्सर खराब चीजों से समझौता कर लेते हैं। घरेलू बाजार में दवाओं का गैरकानूनी काम भी होता है और कई बार प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री की खबरें भी आती हैं।

ये सब भ्रष्टाचार के ही अलग–अलग रूप हैं। और अब भारत में बनी दवा की गुणवत्ता पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल उठ गए हैं। डब्ल्यू एच ओ के मुताबिक इन दवाओं की जांच के बाद इनमें डाइथिलीन ग्लाइकोल और एथिलीन ग्लाइकोल की अनुचित मात्रा पाई गई है। जानकारों के मुताबिक ये दोनों तत्व बिना खुशबू और रंग के होते हैं, लेकिन ये दवा में मिलकर उसे मीठी बना देते हैं। लेकिन दवा में इन तत्वों को अधिक मिलाने पर ये सेहत के लिए खतरनाक साबित होते हैं। अमेरिका, आस्ट्रेलिया और कई यूरोपीय देशों में डाइथिलीन ग्लाइकोल और एथिलीन ग्लाइकोल का दवाओं में उपयोग प्रतिबंधित है। भारत में भी दो साल पहले जम्मू–कश्मीर के उधमपुर में एक कफ सिरप के इस्तेमाल के बाद 12 बच्चों की मौत हो गई थी और इसमें डाइथिलीन ग्लाइकोल पाया गया था। वैसे बच्चों की दवाओं में प्रॉपीलीन ग्लाइकोल का इस्तेमाल मुख्यतरू किया जाता है, लेकिन डाइथिलीन ग्लाइकोल अपेक्षाकृत सस्ता पड़ता है, इसलिए दवा निर्माता कं पनियां इसका इस्तेमाल अधिक करती हैं। गाम्बिया प्रकरण में डब्ल्यू एच ओ ने दवाओं के 23 नमूनों की जांच की और इनमें से 4 में डाइथिलीन ग्लाइकोल और एथिलीन ग्लाइकोल होने की बात सामने आई है। दवाओं के स्वाद और कीमत के फेर में क्या कोई जानलेवा लापरवाही हुई है, यह समुचित जांच के बाद ही पता चलेगा। लेकिन इतना तय है कि किसी न किसी स्तर पर ऐसी चूक अवश्य हुई है, जिसे रोका जा सकता था। 66 बच्चों की मौत कोई मामूली घटना नहीं है। लेकिन अपने ही देश में हर साल मलेरिया, दस्त और मामूली बुखार से ही हम रोजाना इतने बच्चों को मरते देखते हैं कि हमारी संवेदनाएं ही शायद मर चुकी हैं।

दुनिया के दूसरे कोने में अबोध बच्चों की मौत से शायद देश के बहुत से लोगों को फर्क न पड़े। मगर याद रखना होगा कि फर्क न पड़ने वाली यह प्रवृत्ति कभी हम पर भी भारी पड़ सकती है। कोरोना काल में देश इस बात का भुक्तभोगी भी हो चुका है, जब इलाज के लिए गरीबों के साथ–साथ सक्षम, संपन्न लोगों को भी अस्पतालों में लंबी कतारों में लगना पड़ा था। इससे पहले देश की लचर स्वास्थ्य व्यवस्था पर संपन्न लोगों का ध्यान कम ही जाता था। वैसे इस दौरान भी योग व्यवसायी रामदेव ने कोरोनिल दवा बना कर कोरोना के इलाज का दावा किया था और हद तो ये थी कि केन्द्रीय मंत्री इस दवा को लॉन्च करने मंच पर उपस्थित थे। जिस महामारी के इलाज के लिए दुनिया भर के वैज्ञानिक दिन–रात शोध में लगे थे, उसकी दवा बनाने का दावा रामदेव ने किया था। गनीमत ये है कि इस दावे को अदालत में चुनौती दी गई। कोरोनिल दवा बनाने और उसे बाजार में उतारने का यह प्रकरण साबित करता है कि सेहत जैसे अनमोल वरदान को देश में कितना सस्ता बना दिया गया है। झाड़–फूंक करने से लेकर नीम–हकीमों की परंपरा भी भारत में अब तक कायम है। तर्कशीलता और वैज्ञानिक सोच को अक्सर दरकिनार कर दिया जाता है। इसके बाद अगर मरीज की जान चली जाए, तो उसे किस्मत की खराबी बता दिया जाता है। इस मानसिकता का फायदा कम लागत में अधिक मुनाफा कमाने को लालायित उद्यमी आसानी से उठा लेते हैं। खेद की बात है कि मुनाफा कमाने की इस प्रवृत्ति के कारण अब विश्व बिरादरी के सामने देश को शर्मिंदा होना पड़ा है।

प्रोजेक्ट चीता : एक शानदार मीडिया इवेंट लेकिन...

चेल्लम जैसे अनेक विशेषज्ञों की यह भी आशंका है कि कहीं प्रोजेक्ट चीता एशियाई शेरों को गुजरात में बनाए रखने की किसी गुप्त सरकारी कोशिश का हिस्सा तो नहीं है? नेशनल वाइल्ड लाइफ एक्शन प्लान(2017–2031) में प्रोजेक्ट चीता का उल्लेख तक नहीं है फिर अचानक इसे राष्ट्र गौरव का विषय कैसे बना लिया गया है? मूल मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के बहाने ढूंढती सरकार...

डॉ राजू पाण्डेय

स्वतंत्र भारत के अमृत काल में भी एक नेता की महत्वाकांक्षा ने अफ्रीकी चीतों के भारत आगमन को एक राजसी उत्सव में बदल दिया है। इस मीडिया निर्मित महानायक का प्रदर्शनप्रियता और आत्मप्रशंसा के प्रति आकर्षण राजतंत्र के दौर की याद दिलाता है। पता नहीं एशियाटिक लायन, कैराकल और ग्रेट इंडियन बस्टर्ड जैसे विलुप्तप्राय भारतीय वन्य जीव कब किसी मेगा इवेंट के लिए कास्ट किए जाएंगे और इसी बहाने उनके भी दिन बहुरेंगे। यदि आप भारतीय मीडिया की इस बात पर भरोसा करते हैं कि श्प्रोजेक्ट चीताश चीतों के संरक्षण हेतु प्रारंभ किया गया विश्व में अपने ढंग का अनूठा कार्यक्रम है और इससे भारत के घास के मैदानों की स्थिति में सुधार होगा तो यह जान लीजिए कि गलत तथ्यों के आधार पर फिर से आपकी भावनाओं से खिलवाड़ किया गया है। वन्य प्राणी संरक्षण का सुदीर्घ अनुभव रखने वाले अनेक विशेषज्ञ प्रोजेक्ट चीता पर सवाल उठाते रहे हैं। जानेमाने विशेषज्ञ वाल्मीक थापर के अनुसार, भारत में मुक्त रूप से भ्रमण करने वाले चीतों की विशाल आबादी कभी नहीं रही। अन्य देशों में जहां इनकी आबादी हजारों में थी, हमारे यहां इनकी संख्या सीमित रही। जो चीते यहां मौजूद थे वे भी राजे महाराजाओं द्वारा अफ्रीका (विशेषकर केन्या) से मंगाए गए थे जिनका उपयोग काले हिरण के शिकार के लिए किया जाता था। इनमें से कुछ पालतू चीते जंगलों में भाग गए। पिछली कुछ शताब्दियों में चीतों की प्राकृतिक आबादी हमारे यहां नहीं रही है। यह कहा जाता है कि अकबर के पास एक हजार चीते थे। यह कहां से आए इस बात को लेकर अनिश्चितता है किंतु इतना तय है कि इनमें एक बड़ी संख्या उपहार में प्राप्त चीतों की थी। सरकार द्वारा यह कहा जा रहा है कि चीतों की बसाहट मध्य और उत्तरपूर्वी भारत के विनष्ट हो चुके घास के मैदानों के पुनर्जीवन के लिए आवश्यक संसाधन एकत्रित करने का माध्यम बनेगी। किंतु विशेषज्ञों का एक समूह सरकार को चुनौती दे रहा है कि वह मध्य भारत में इस प्रकार के किसी विनष्ट प्राय खराब घास के मैदान को चिह्नित करके दिखाए। इन विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि कुनो–पालपुर को घास का मैदान नहीं माना जा सकता। यह अफ्रीकी चीते का प्राकृतिक आवास नहीं है। यहां उसके शिकार के लिए प्रजातियां भी निवास नहीं करतीं। चीते को तेजी से दौड़ने के लिए कोमल सतह चाहिए, वह पथरीली जमीन पर दौड़ नहीं सकता। इसे हायना, तेंदुए, शेर आदि से भी से भी जान का खतरा हो सकता है। जंगली कुत्ते तथा गांवों में रहने वाले कुत्ते इसके पीछे लग सकते हैं। यद्यपि कुछ विशेषज्ञ यह मानते हैं कि चीता अनेक प्रकार के आवासों यथा गर्म मरुस्थल, ठंडे मरुस्थल, पर्वतीय क्षेत्र, वन प्रदेश और सवाना घास के मैदानों में पाया जाता है अतरू इसके लिए अनुकूलन की कोई समस्या नहीं है। विशेषज्ञ कहते हैं कि चीते को यदि भारत में रखना ही है तो ऐसा केवल चारों तरफ से बाड़ से घिरी हुई 100–200 वर्ग किलोमीटर की जगह में ही संभव है। इन्हें खाने के लिए मांस या इनका शिकार हमें ही देना होगा। बाड़ की ऊंचाई कम से कम 4 मीटर होनी चाहिए। कुल मिलाकर ऐसी किसी परियोजना पर करोड़ों का खर्च होगा। किंतु जंगल में इन अफ्रीकी चीतों के बचने की संभावनाएं नगण्य हैं। हमें विलुप्त होने के कगार पर खड़ी अपनी घरेलू प्रजातियों के संरक्षण पर ध्यान देना होगा। अनेक विशेषज्ञों ने वन्य जीव संरक्षण की हमारी प्राथमिकताओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं। चीतों को भारत लाने की नवीनतम कोशिश वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा 2009 में प्रारम्भ की गई थी। मामला 2013 में सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश(पेज 63,64, पैरा 59,60,61) में कहा हमारे मतानुसार कुनो में विदेशी चीतों को लाने का आदेश पारित करने से पहले एमओईएफ ने कोई विस्तृत अध्ययन नहीं किया था। कुनो अफ्रीकी चीतों का ऐतिहासिक आवास नहीं है। कृकृ हम इंगित करना चाहते हैं कि एशियाई शेरों का संरक्षण करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, यह प्रजाति खतरे में है और इन्हें दूसरा आवास देना होगा। इस स्तर पर हमारे मतानुसार एमओईएफ का अफ्रीकी चीतों को पहले कुनो में बसाने और इसके बाद एशियाई शेर को यहां लाने का निर्णय मनमाना, गैर कानूनी और वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम में उल्लिखित आवश्यक प्रावधानों का उल्लंघन है। कृकृ एमओईएफ का एशियाई शेरों को गिर से कुनो में लाकर बसाने का निर्णय इस खतरे में पड़ी प्रजाति के संरक्षण के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है और इसमें विलंब नहीं किया जा सकता। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के 2013 के इस आदेश का पालन तो नहीं किया बल्कि वह जनवरी 2020 में अफ्रीकी चीतों को बसाने का अनुरोध ा लिए फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। अब उसका आवेदन अफ्रीकी चीतों को भारत में श्बसानेश के लिए था क्योंकि सुप्रीम कोर्ट कह चुका था कि अफ्रीकी चीता भारतवासी नहीं है इसलिए उसे श्वापस बसानेश का कोई प्रश्न नहीं उठता। नेशनल टाइगर कं जर्वेशन अथॉरिटी ने न्यायालय से वादा किया कि चीतों को प्रायोगिक तौर पर एक ध्यानपूर्वक चयनित आवास में बसाया जाएगा, उनकी देखभाल की जाएगी और इस बात का अवलोकन किया जाएगा कि वे भारतीय परिस्थिति के साथ अनुकूलन कर पाते हैं या नहीं। न्यायालय ने इस आवेदन को स्वीकार किया और यह जानने के लिए कि क्या अफ्रीकी चीतों की बड़ी संख्या भारत में बसाई जा सकती है एक समिति गठित की। मीडिया और सरकारी प्रचारतंत्र के बड़े –बड़े दावों से एकदम अलग प्रोजेक्ट चीता की कामयाबी के लिए निर्धारित मापदंड यह दर्शाते हैं कि सरकार स्वयं बहुत ज्यादा आशान्वित नहीं है। प्रोजेक्ट को सफल मानने के लिए निर्धारित लक्ष्यों में लाए गए चीतों में से 50 प्रतिशत का जीवित रहना, इन चीतों द्वारा कुनो–पालपुर को अपना घरेलू क्षेत्र बनाया जाना, इन चीतों का वन में प्रजनन करना, उत्पन्न शावकों का एक वर्ष से अधिक अवधि तक जीवित रहना तथा एफ1 पीढ़ी का कामयाबी से प्रजनन करना आदि सम्मिलित हैं। रवि चेल्लम जैसे विशेषज्ञों ने अनेक साक्षात्कारों में यह बताया है कि यदि यह प्रोजेक्ट कामयाब भी हो जाता है तब भी भारत में अगले 15 वर्षों में केवल 21 चीते मौजूद होंगे। ऐसी दशा में यह कहना कि इस प्रोजेक्ट द्वारा चीता शीर्ष शिकारी की स्थिति प्राप्त कर लेगा और घास के मैदान संरक्षित हो सकेंगे, तथ्यों से एकदम परे है। चेल्लम के अनुसार, किसी चीते के लिए आवश्यक औसत क्षेत्र 100 वर्ग किलोमीटर है, कुनो के वर्तमान 748 वर्ग किलोमीटर का विस्तार केवल 7–8 चीतों के लिए ही काफी होगा। जबकि राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की पूर्व सदस्य प्रेरणा सिंह बिंद्रा ने अपने आलेखों और साक्षात्कारों में कहा है कि हमने अपने घास के मैदानों का लगभग 90 से 95 फीसदी हिस्सा विनष्ट कर दिया है। चीता वर्ष में कम से कम 1000 किलोमीटर का भ्रमण करता है। यदि किसी तरह अफ्रीकी चीता भारत में बच भी जाता है तो उसके लिए हमारे पास घास के मैदान कहां हैं? विशेषज्ञों की आपत्ति इस बात को लेकर भी है कि एशियाई शेर अब दुनिया में लगभग 700 की संख्या में ही शेष हैं जबकि विश्व में वयस्क चीतों की संख्या 6517 है। सरकार एशियाई शेरों की स्थानीय प्रजाति को संरक्षण देने की बजाय अफ्रीकी चीतों के प्रति क्यों आकर्षित है? प्रोजेक्ट चीता पर वास्तविक रूप में कितना व्यय आएगा इस बात को लेकर अनेक दावे किए गए हैं किंतु इतना तय है कि यह बहुत खर्चीली परियोजना होगी। चेल्लम कहते हैं कि सरकार के पास ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के आवास में विद्युत लाइनों को भूमि के नीचे करने हेतु धन नहीं है किंतु प्रोजेक्ट चीता पर सरकार पानी की तरह पैसा बहा रही है।

संघ स्थापना काल से राष्ट्रहित में कर रहा काम: प्रशांत

सीतापुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विजय दशमी व शस्त्र पूजन उत्सव को स्थापना दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया। आनंदी देवी सरस्वती विद्या मंदिर सभागार में आयोजित हुए में सह विभाग संघचालक राजेंद्र कटियार, नगर संघचालक विनय अग्रवाल व मुख्य वक्ता अवध प्रांत कार्यवाह प्रशांत शुक्ल ने भगवान श्रीराम, संघ संस्थापक डाक्टर हेडगेवार व द्वितीय सर संघचालक गुरु गोलवरकर के चित्र पर पुष्पार्चन, शस्त्र पूजन कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता प्रांत कार्यवाह प्रशांत शुक्ल ने कहा संघ की स्थाना जिस दौरान हुई उस समय देश पर अंग्रेजों का शासन था। भारत पराधीन था ऐसे में एक हिंदू संगठन खड़ा करना सहज नहीं था। उस समय अनुशीलन समिति से जुड़कर अनेक क्रांतिकारी देश की आजादी के लिए संघर्ष कर रहे थे। 1905 में बंगभंग आंदोलन हुआ सभी एकजुट हुए वंदेमातरम का जयघोष निकला। सभी की एकजुटता देख अंग्रेज अफसर परेशान हो उठे। देश बंटने से बच गया अंग्रेजों को राजधानी बदलनी पड़ी। हालांकि इसकी बड़ी कीमत राष्ट्रभक्त देशवासियों को भी चुकानी पड़ी। अंग्रेजों ने अनुशीलन समिति के सभी क्रांतिकारियों को चुन चुनकर मारना शुरू कर दिया। स्थिति यह हो गई कि फांसी देन कठिन हो गया लिहाजा क्रांतिकारी पकड़े जाते और उनको सीधे गोली मारी जा रही थी। स्वातंत्रवीर सावरकर ने लंदन में रहकर अभिनव भारत संगठन बनाया। इस संगठन का भी काम देश को आजाद करना था। कई वर्षों तक अंग्रेज अफसर जान ही नहीं पाए कि इस नाम का एक संगठन लंदन से ही संचालित हो रहा है।

इस बीच मदन लाल धींगरा ने एक अंग्रेज अफसर को मार दिया। नासिक में भी तीन अंग्रेज अफसरों की हत्या हुई। इन चारों अफसरों की हत्या में जो बुलेट प्रयोग हुई थी वह लंदन की एक फैक्ट्री थी। धरपकड़ हुई तब बात सामने आई और वीर सावरकर गिरफ्तार हो गए तथा अभिनव भारत पर प्रतिबंध लगा दिया गया। पं. मदन मोहन मालवीय ने हिंदू महासभा का गठन किया। उसमें डा. वीएस मुंजे संस्थापक सदस्यों में से एक थे। संघ स्थापना में मुंजे का बहुत बड़ा योगदान है। डा. केशव बलिराम हेडगेवार ने 1925 में विजय दशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। उसमें सबसे पहले शारीरिक गतिविधि के लिए सैनिक कार्यक्रम करना शुरू किया। इस मौके पर जिला संघचालक उमाकांत, सह जिला संघचालक राकेश, जिला कार्यवाह आशीष, सह जिला कार्यवाह करुणाशंकर, जिला प्रचारक उपेंद्र, नगर प्रचारक कमलेश, सचिन, पवन, राजेश, अमित, कमलापति, उदित, सुजीत, दीपक आदि स्वयंसेवक मौजूद रहे।

किसानों को बांटा गया निःशुल्क सरसों का बीज

महोली (सीतापुर)। सरकार द्वारा किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की उद्देश्य से इस बार सूखे की स्थिति को देखते हुए तिरिया मिनी किट उत्तरा प्रजाति का सरसों बीज निःशुल्क वितरित किया गया। कार्यक्रम में 240 किसानों को बीज वितरण करने की योजना मनाई गई और करीब सौ से ज्यादा लोगों को निःशुल्क सरसों बीज का वितरण किया गया। नगर के खंड विकास सभागार में जिला कृषि अधिकारी मनजीत कुमार के द्वारा विधायक शशांक त्रिवेदी की अध्यक्षता में विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख मिथिलेश यादव व जगदीश प्रसाद की गरिमामई उपस्थिति पर ब्लाक के वीडियो प्रभारी हरेंद्र सिंह व ईपीओटीपी अनुज मिश्रा तथा बीटीएम देवेश मिश्रा तथा स्टाफ के सहयोग से किसानों को तिरिया मिनी किट बीज का निःशुल्क वितरण कराया गया। वितरण के दौरान विधायक शशांक त्रिवेदी ने कहा जब किसान मजबूत होगा तो देश मजबूत होगा और हम सभी मजबूत होंगे। कैसे किसान बचत करें और लाभान्वित हो। इसके लिए सरकार द्वारा किसानों को सरसों का मुफ्त बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। बाजार में 220 की कीमत की थैली आप को मुफ्त प्रदान की जा रही है। जिससे क्षेत्र के किसान आत्मनिर्भर होकर खुशहाल हो सके। खुद को सरसों के बीज ब्रांड से अलग करते हुए उन्होंने कहा सरसों का तेल हमारे जीवन में बहुत ही उपयोगी है। एक बीघे में जिप्सम समेत एक बार पानी लगाने पर करीब 1000 के खर्चे में 5 से 6 कुंतल फसल तैयार हो सकता है। इसी तरह से सरकार की तमाम योजनाएं चल रही है। सम्मान निधि का जिक्र करते हुए उन्होंने गृहमंत्री राजनाथ सिंह द्वारा कही हुई बात, किसानों को कुछ न कुछ अनुदान और सम्मान मिलेगा का जिक्र करते हुए सम्मान निधि की बात कही। पीएम किसान सम्मान निधि सभी को मिले इसके लिए खाते सही किए जा रहे हैं। जो किसानों के लिए सोचे, जो जवानों के लिए सोचे ऐसे देश के नेता का नाम नरेंद्र मोदी है। आयोजन में करीब 100 से ज्यादा किसानों को मिनी किट सरसों बीज का वितरण निशुल्क किया गया। मंच का संचालन कर रहे संजीव कुमार मिश्रा ने सभी किसानों को सूचीबद्ध कर बीज का वितरण कराया। इस आयोजन में प्रमुख रूप से ब्लाक प्रमुख मिथिलेश यादव, जगदीश प्रसाद, श्रीचंद्र मिश्रा, मुकेश कुमार, अरविंद शुक्ला सहित तमाम किसान व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जय श्रीराम के उद्घोष से गुंजायमान हुआ सीतापुर

आजाद हिन्द भगत संगठन ने निकाली अष्टम् भव्य श्रीराम विजय रथयात्रा

सीतापुर। विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी श्रीराम विजय रथ यात्रा का भव्य आयोजन आजाद हिन्द भगत संगठन द्वारा किया गया। प्राचीन भारतीय संस्कृति, सभ्यता की प्रतीक यह श्रीराम विजय रथ यात्रा क्षेत्रवासियों के लिए आस्था का प्रतीक है। इस अष्टम रथयात्रा में कई जनपदों के रामभक्त शामिल हुए। यात्रा की शुरुआत एलआईसी ऑफिस के सामने मैदान से किया गया में जहाँ समस्त कार्यकर्ता एकत्रित हुये और रथ पर श्रीराम के रूप में विराजमान दरबार का पूजन अर्पण किया गया। यात्रा जनपद के मुख्य चौराहों तथा मन्दिरों के मार्ग से होकर रामलीला मैदान होते हुये एलआईसी ऑफिस के सामने मैदान में समाप्त हुई। जिसमें जनपद के राजनैतिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, व्यापारी वर्ग, रामभक्तों तथा समस्त कार्यकर्ताओं का उत्साह देखने को मिला। यात्रा में सम्मिलित सभी लोगों को प्रसाद वितरण किया गया। आजाद हिन्द भगत संगठन द्वारा प्रत्येक विजयदशमी के दिन निकाली जाने वाली भव्य श्रीराम विजय रथ यात्रा का आयोजन .सायं 4 बजे से एलआईसी मैदान निकट साईं कृपा गेस्ट हाउस से हुआ। जिसमें लगभग 1000 से अधिक हिन्दू भाईयों ने संगठित होकर अपनी एकता का प्रदर्शन किया। जिसकी तैयारी बहुत ही जोरों से पूरे जनपद में की गयी थी जो कि सफल होती दिखायी दी। यह यात्रा मुंशीगंज, श्यामनाथ, मन्नी चौराहा, कोट चौराहा, बालदा, ट्रांसपोर्ट होते हुए लालबाग चौराहा, कोतवाली चौराहा से आकर पुनः एलआईसी मैदान में श्रीराम भगवान की भव्य आरती के पश्चात समाप्त हुई। यात्रा का मुख्य आकर्षण आतिशबाजी और विजय रथ इत्यादि रहा। यात्रा को सफल बनाने के लिए आजाद हिन्द भगत संगठन की टीम विगत 2 माह से घर घर जाकर संपर्क कर रही थी। उसी के परिणाम स्वरूप यात्रा में कई जनपदों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा में मुख्य रूप से संस्थापक अभिमन्यु हिंदू, अभिलाष हिंदू, पवन हिंदू, सत्यम हिंदू, जिलाध्यक्ष सूरज हिंदू, शरद हिंदू, नगर अध्यक्ष प्रभात हिंदू, वरूण हिन्दू, अंशू हिन्दू, मयंक, ऋषभ, अनुराग, पीयूष, वैभव, संकल्प, आयुष, बृजेश, सागर, कमलेश, प्रवीण, रजत, आकाश, नवीन, आकाश छोटू, दीपक, रामकुमार, श्यामू आदि हजारों संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

गोवंश के अवशेष मिलने से क्षेत्र में हड़कम्प

मछरेहटा (सीतापुर)। थाना क्षेत्र के गोपलापुर, महमूदपुर गांव के निकट खेत में गोवंश के अवशेष मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने बृहस्पतिवार की सुबह जब खेतों की तरफ गए तो देखा कि प्रतिबंधित पशुओं के अवशेष इधर-उधर पड़े हुए थे। यह देख ग्रामीण क्षेत्र में खबर आग की तरह फैल गई। यह सूचना हिंदू संगठन के बड़ा हनुमान मंदिर मछरेहटा के महंत बाबा प्रीतम दास भी मौके पर जा पहुंचे और वहां से मछरेहटा पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मछरेहटा इंस्पेक्टर व क्षेत्राधिकारी सुशील कुमार यादव मय फोर्स के साथ मौके पर जा पहुंचे। अवशेषों को कब्जे में लेकर पशु चिकित्सक संत प्रसाद त्यागी को बुलवाकर अवशेषों का परीक्षण हेतु नमूना एकत्र कर अवशेषों को दफन करा दिया गया। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी सुशील कुमार यादव से जब बात की गई तो उन्होंने बताया कि अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। अभियुक्तों की तलाश जारी है।

माता की ज्योति चली विसर्जन को, अबीर गुलाल से रंगे श्रद्धालु

महोली (सीतापुर)। नगर के हनुमान मंदिर में स्थापित मां ज्वाला की ज्योति विसर्जन के लिए चली गई। विसर्जन कार्यक्रम के दौरान नगर की ज्वाला जागरण कमेटी के सदस्यों द्वारा हर्षोल्लास के साथ मांता की ज्योति को विदाई दी गई। दोपहर मां ज्वाला जी जागरण कमेटी के सदस्यों ने मांता की ज्योत को इनोवा कार में रखकर के तमाम नागरिकों माताओं बहनों और बच्चों के साथ विसर्जन की तैयारी की। जिसके दौरान श्रद्धालुओं ने अबीर गुलाल के साथ साथ आतिशबाजी भी छुड़ाई। कमेटी के मुताबिक गत वर्षो की भांति इस बार भी माता की ज्योत को फर्रुखाबाद के घटिया घाट पर मां गंगा की गोद में विसर्जित किया जाएगा। इस विसर्जन जुलूस में नगर के तमाम गणमान्य लोगों के साथ सैकड़ों की संख्या में माताएं और बहने उपस्थित रही।

नवरात्रि पर डांडिया नृत्य का आयोजन

सीतापुर। भारत परिषद के कोषाध्यक्ष वेद प्रकाश कश्यप द्वारा आवास विकास में भव्य माता रानी का दरबार व झांकी सजाकर भजन के साथ डांडिया नृत्य का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर परिषद के पदाधिकारियों ने डांडिया खेलते हुए नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा अर्चना और गीत संगीत आदि के द्वारा देवी को प्रसन्न करने का सिलसिला चलता रहता है। इसी क्रम में आयोजित डांडिया का कार्यक्रम कर देवी का आशीर्वाद प्राप्त करने तथा शक्ति की कामना करते हुए महिलाओं, पुरुषों, युवक, युवतियों व बच्चों ने देर रात तक भक्तिमय होकर जमकर डांडिया खनकाते हुए नृत्य किया। इस अवसर पर महामाई के भंडारे का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रम को देखने के लिए हजारों की संख्या में भीड़ जुटी। इस दौरान परिषद के मंडल अध्यक्ष रत्नेश द्विवेदी मंडल महासचिव डॉ वीरेन्द्र आर्य, जिला अध्यक्ष आकाश राय, जिला महासचिव सुधांशु मिश्रा, जिला संयुक्त सचिव अजीत सक्सेना, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सचिन त्रिपाठी, उपाध्यक्ष विनोद त्रिपाठी, विजय शुक्ला, जिला संगठन मंत्री कमलेश मेहरोत्रा, जिला सलाहकार डॉ कमल किशोर सेठ, जिला संरक्षक शिव बालक त्रिवेदी, जिला अध्यक्ष शिक्षा प्रकोष्ठ अशोक प्रजापति जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ शशिकला मिश्रा, जिला मंत्री अम्ब्रीश दीक्षित, जिला अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ अन्नी मेहरोत्रा, जिला अध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ डॉ शांति स्वरुप रस्तोगी, उपाध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ डॉ विकास जैन, डॉ राजीव मिश्रा, सोशल मीडिया प्रमुख शिखा शर्मा, ज्योति द्विवेदी, कोमल जैन, तूलिका सक्सेना, धनश्री मिश्रा, अजय कुमार मिश्रा, आदि रहे।

उच्च प्राथमिक कन्या विद्यालय के बच्चों द्वारा बनाए गए ज्ञान विज्ञान और तकनीक के कई मॉडल

हरदोई।प्रदेश सरकार शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मोदी सरकार द्वारा बच्चों को आज बदलती हुई तकनीक और विज्ञान के प्रति जागरूक करने के लिए शिक्षण अधिगम सामग्री प्रदर्शनी आयोजित करने की दिशा में उच्च प्राथमिक कन्या विद्यालय महोलिया शिवपार में बच्चों द्वारा ज्ञान विज्ञान और तकनीक के कई मॉडल बनाए गए। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रेमावती वर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि यह स्कूल मेरे द्वारा गोद लिया गया है। केंद्र और प्रदेश की योगी सरकार बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व में निखार लाने के लिए टीचर लर्निंग मेटेरियल टीएलएम के माध्यम से कई प्रयोग कर रही है । उन्होंने उच्च प्राथमिक विद्यालय महोलिया शिवपार की अध्यापिकाओ की इस बात को लेकर प्रशंसा की कि उनके प्रयासों से बच्चों ने विज्ञान के मॉडल को तैयार किया है, जो इतने छोटे और पिछड़े क्षेत्र के बच्चों से आशा करना एक बड़ी बात है। इस समारोह के विशिष्ट अतिथि भारत स्काउट और गाइड के जिलाध्यक्ष अभय शंकर गौड़ ने बच्चों को नई तकनीक को आत्मसात करने के लिए लगातार ज्ञान की प्रक्रिया को बढ़ाते रहने के लिए कहा । इस समारोह में खंड शिक्षा अधिकारी संजीव भारती ,डीसी ट्रेनिंग आर के शुक्ला, ग्राम प्रधान प्रदीप गुप्ता और जिला स्काउट मास्टर पंकज वर्मा ने इस कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने अध्यापिका सीमा गौड़, प्रीति वर्मा, गुंजन सिंह, प्रतिभा अवस्थी को इस प्रदर्शनी के आयोजन के लिए सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त इस समारोह में मुकित बेग, मनीष चंदेल ,चिराग ,रवि आदि कई लोगों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

मतदाता पुनरीक्षण की बैठक सम्पन्न

सिधौली (सीतापुर)। नगर पंचायत सभागार में मतदाता पुनरीक्षण की बैठक संपन्न की गई। नगरीय निकाय चुनाव के लिए मतदाता सूची के वृहद पुनरीक्षण का अभियान पांच अक्तूबर से शुरू कर दिया गया है। जिस पर नगर पंचायत सिधौली में बैठक की गई है। मतदाता पुनरीक्षण की बैठक में नगर पंचायत सिधौली के समस्त सेक्टर संयोजक एवं बूथ अध्यक्ष मौजूद रहे। वहीं ब्लाक सिधौली के ब्लाक प्रमुख राम बक्श रावत को नगर पंचायत सिधौली का प्रभारी बनाया गया है। इस मौके ब्लॉक प्रमुख सिधौली राम बक्श रावत, अध्यक्ष राकेश पांडे, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गंगाराम राजपूत, आलोक त्रिपाठी, मनीष पाण्डेय, आरती रावत, निशा रावत, आदित्य त्रिपाठी, अमरेंद्र राजपूत के साथ अन्य कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

खराब सड़क के कारण होने वाली जनहानि के लिए संबंधित का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा:जिलाधिकारी

चकबन्दी ग्रामों के लेखपालों के साथ नियमित अंतराल पर बैठक करें एसडीएम-सिंह

हरदोई।जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की बैठक हुई। आगामी नगरीय निकायों के चुनावों के दृष्टिगत उन्होंने सभी नगरीय निकाय को मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। गणना कार्डों की डिमांड सभी जगह से ले ली जाए। उन्होंने कहा कि मतदान बूथों का सत्यापन कर लिया जाए, 1200 से अधिक मतदाताओं वाला कोई बूथ न हो। एक केन्द्र पर 4 से अधिक बूथ न हों। उन्होंने एनपीएस अद्यतनीकरण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि एनपीएस अद्यतन का कार्य जल्द पूर्ण किया जाए। उन्होंने कर-करेत्तर की समीक्षा करते हुए कहा कि लक्ष्य के अनुरुप प्रगति बधाई। स्टॉम्प रजिस्ट्रेशन विभाग को प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। परिवहन विभाग व बिजली विभाग से कम प्रगति को लेकर नाराजगी जताते हुए प्रगति लाने के निर्देश दिए। खनन विभाग की कम प्रगति को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग को खराब सड़कों को सही कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। खराब सड़क के कारण होने वाली जनहानि के लिए संबंधित का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा। राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि चकबन्दी वाले ग्रामों के लेखपालों के साथ नियमित अंतराल पर बैठक की जाए। एसओसी चकबंदी को निर्देशित किया कि शासन द्वारा दिये गए लक्ष्य के अनुरूप चकबंदी के कार्य को आगे बढ़ाया जाए। आपत्तियों का निस्तारण ससमय किया जाए। किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही न की जाए। वादों के निस्तारण में तेजी लायी लाये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वंदना त्रिवेदी, नगर मजिस्ट्रेट डॉ सदानंद गुप्ता, समस्त उपजिलाधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्वच्छता अभियान चलाकर, साफ सफाई और वृक्षारोपण के लिए लोगों को जागरूक किया

हरदोई।स्वच्छ भारत अभियान 2.0 जिसका उद्घाटन 01 अक्टूबर को जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट में किया था, अभियान को आगे बढ़ाते हुए नेहरू युवा केंद्र के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक लगातार अलग अलग ग्राम पंचायतों में जाकर ग्रामवासियों को स्वच्छता और पर्यावरण के लिए जागरूक कर रहे हैं। विकास खण्ड माधोगंज के स्वयंसेवक गौरव गुप्ता और शिल्पी देवी ने अभियान के चौथे दिन ग्राम रूदामऊ में स्वच्छता अभियान चलाकर, साफ सफाई और वृक्षारोपण के लिए लोगों को जागरूक किया और प्लास्टिक वेस्ट एकत्रित कर सभी को प्लास्टिक न इस्तेमाल करने का संदेश दिया ।

धूमधाम से प्रशासन की मौजूदगी में हुआ दुर्गा प्रतिमा विसर्जन

पहला (सीतापुर)। नवरात्र के पावन अवसर पर सरैया राजा साहब के चौधरी चरण सिंह पार्क में स्थापित मां जगदंबे की क्षेत्र के सभी भक्तों ने नवरात्र पर्व के 10 दिनों तक माताराणी की श्रद्धा भाव से सेवा करते हुए उन्हें प्रसन्ना करने के लिए पूर्ण विधि-विधान के साथ दोनों समय पूजा अर्चना कर हवन पूजन आदि कार्यक्रम किया और . अंतिम दिन माता रानी की विदाई पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ बाजे गाजे के साथ भक्ति गीत के साथ हुई। स्थानीय शारदा सहायक नहर सरैया पुल पर क्रमवध तरीके से विसर्जन कराया गया। इस अवसर पर जितेंद्र वर्मा, तेजभान यादव, आशीष वर्मा, सुनील निगम, दिलीप वर्मा, विनय यादव, सुरेंद्र वर्मा, विनीत यादव, राम प्रकाश आदि चौकी इंचार्ज सहित काफी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

मां दुर्गा की स्थापित प्रतिमाओं का किया गया विसर्जन

सिधौली (सीतापुर)। शारदीय नवरात्र में नगर व क्षेत्र में माँ दुर्गा की स्थापित प्रतिमाओं को नगर के भक्तों ने वर्ष की गाजे बाजे के साथ अंतिम विदाई दी। इस अवसर पर पूरे नगर में माँ दुर्गा की शोभा यात्रा बड़ी धूमधाम से निकाली गई। जिसमें हजारों की संख्या लोग सामिल हुए और मूर्तियों का भटपुर घाट स्थित गोमती नदी में विसर्जन किया गया। माँ दुर्गा के विशाल पंडाल कस्बा के मोहल्ला विवेक नगर बिसवां चौराहे, महमूदाबाद चौराहा, बाड़ी काशीपुर सहित कई स्थानों पर सजाए गए थे। शोभायात्रा कस्बे तहसील मार्ग, मोहल्ला बाजार, बिसवां चौराहा, महमूदाबाद चौराहा, मोहल्ला नरोत्तम नगर सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों की मूर्तियां भी शामिल हुई। नगर भ्रमण के दौरान शोभा यात्रा मिश्रिख रोड, नेशनल हाइवे, तहसील मार्ग, सिद्धेस्वर मन्दिर, मनसा पूर्ण हनुमान मन्दिर आदि स्थानों से होते हुए भटपुर घाट पहुंची। माँ जगदम्बे की शोभायात्रा का जगह जगह भव्य स्वागत किया गया। डीजे की धुन पर लोग माँ भवानी के जय माता दी। अगले बर्ष तू जल्दी आ, एक दो तीन चार, शेरोंवाली की जय जय कार आदि जयकारे लगा रहे थे। भटपुर घाट स्थित गोमती नदी में माता दुर्गा सहित भगवान गणेश भगवान कार्तिकेय माता लक्ष्मी आदि देवी देवताओं की मूर्तियों को बड़ी श्रद्धाभाव से बिसर्जित किया गया। रामनाथ शर्मा, पंकज मिश्र, जितेंद्र रस्तोगी, तन्नू, नवल गुप्ता, प्रतीक सिंह, हुमांशु जैन, वासू श्रीवास्तव, अनिल शास्त्री सहित काफी लोग शामिल हुये।

जुलूस ए मोहम्मदी का नगर भ्रमण 9 अक्टूबर को

हरदोई। नगर के मोहल्ला मैदानपुरा स्थित खानकाह ए सुगरविया में बारह रबिउलअव्वल ईद मिलादुन्नबी के उपलक्ष्य में नगर की कई अंजुमनों के अध्यक्षों के साथ एक बैठक की गयी जिसमे आगामी 9 अक्टूबर को नगर में निकलने वाले जुलूस मोहम्मदी को लेकर चर्चा की गयी। खानकाह की जानिब से बताया गया है कि 7 अक्टूबर दिन शुक्रवार को तबर्रुकात की जियारत करवाई जाएगी 8 अक्टूबर दिन शनिवार को जश्ने ईद मिलादुन्नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम कादरी मस्जिद के सहन में बाद नमाजे इशा होगा 9 अक्टूबर दिन रविवार को सुबह 9:00 बजे जुलूस ए मोहम्मदी नगर भ्रमण के लिए निकाला जायेगा परचम कुसाई सैयद बादशाह हुसैन वास्ती फरमाएंगे जबकि जुलूस ए मोहम्मदी सैयद उवैस मुस्तफा वास्ती की सरपरस्ती में निकाला जायेगा जुलूस ए मोहम्मदी में अंजुमन गुलमान ए रसूल व अंजुमन आशिकाने रसूल की लीडरशिप में निकलेगा उक्त जानकारी देते हुए अंजुमन के अध्यक्ष वाजिद हुसैन उवैसी ने बताया कि जलसे और जुलूस को राजनीति से कोई संबंध नहीं होगा जुलूस में उससे संबंधित ही नारे लगाए जाएं। मीटिंग में प्रमुख रूप से रियाजुद्दीन शमसुद्दीन, पत्रकार अब्दुल अली, उवैसी शजर हुसैन, उवैसी रिहान एडवोकेट मोहसिन सिद्दीकी आदि उपस्थित रहे।

मां को जलाकर मारने वाले कलयुगी पुत्र व बहू को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिधौली (सीतापुर)। संपत्ति विवाद के लिए अपनी मां पर तेल डालकर जलाकर मारने वाले कलयुगी पुत्र और बहू को अटरिया पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बीते 28 सितम्बर को अटरिया क्षेत्र के ग्राम बेरसापुरपुर निवासी जितेन्द्र सिंह अपने पिता सर्वेश सिंह व माता सुनीता सिंह से जमीन बेचने के लिए विवाद के बाद जितेंद्र सिंह ने अपनी पत्नी कोमल सिंह व अपने ससुर पुत्तन सिंह निवासी ग्राम बदैय्या थाना माल लखनऊ व साढू विनय सिंह निवासी ग्राम लकीपुर लखनऊ के साथ मिलकर अपनी माता सुनीता के ऊपर तेल डाल कर आग लगा दी। जिसमें वह अधेड़ महिला बुरी तरह झुलस कर गंभीर रूप से घायल हो गयी थी। गम्भीर हालत में सीएचसी सिधौली से महिला को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया था। महिला के छोटे पुत्र उपेंद्र सिंह ने अपने बड़े भाई जितेंद्र पत्नी कोमल समेत ससुर व साढू के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था। लखनऊ में इलाज के दौरान 2 दिन पूर्व महिला की मौत हो गई। क्षेत्राधिकारी सिधौंली यादवेन्द्र यादव ने बताया कि अटरिया पुलिस ने अभियुक्त जितेन्द्र सिंह पुत्र सर्वेश सिंह व उसकी पत्नी कोमल सिंह को निवासी ग्राम बेरसापुर थाना अटरिया को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल कर ली है। अटरिया थाना प्रभारी निरीक्षक मुकेश वर्मा, उपनिरीक्षक नयन सिंह, कांस्टेबिल जोनित, कमलेश शर्मा, चेतना रानी शामिल रही।

भागलपुर पुल से मूर्तियों का हुआ विसर्जन

भागलपुर। प्रशासन की ओर से निर्धारित विसर्जन स्थल भागलपुर पुल से बारिश के बीच . शाम चार बजे से दुर्गा मूर्तियों का विसर्जन शुरू हुआ। हादसे से बचने के लिए प्रशासन की ओर से बांस की बल्ली बांधकर प्लेटफार्म बनाया गया था। इसमें देर रात तक 35 मूर्तियों का विसर्जन किया गया। बारिश के चलते दूर–दूर गांवों के भक्त दुर्गा मूर्तियों और डीजे को प्लास्टिक से पैक करके लाएं। बारिश के बावजूद भक्तों के उत्साह में कमी नहीं देखी गई। युवा डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों पर झूम रहे थे। वहीं पुलिस मुस्तैद रही।

उग्रसेन सेतु पर चाक–चौबंद व्यवस्था के बीच हुआ मूर्ति विसर्जन

बरहज/कपरवार। उग्रसेन सेतु पर मूर्ति विसर्जन के लिए प्रशासन ने चाक–चौबंद व्यवस्था कराया था। कड़ी चौकसी के बीच . शाम पांच बजे तक करीब 325 मूर्तियों का विसर्जन किया गया था। देर शाम डीएम जेपी सिंह और एसपी संकल्प शर्मा ने अधिकारियों के साथ विसर्जन स्थल पर पहुंच व्यवस्था का हाल जाना। कपरवार उग्रसेन सेतु पर सुबह नौ बजे से विसर्जन के लिए मूर्तियों के आने का क्रम शुरू हो गया, जो देर शाम साढ़े 10 बजे तक चला। पहले दिन 263 मूर्तियों का विसर्जन किया गया था। जबकि दूसरे दिन होने के कारण विसर्जन के लिए मूर्तियों की संख्या में कमी देखी गई। बरहज जहाज घाट, भागलपुर, मोहरा, मदनपुर के सेमरा पुल से भी मूर्तियों का विसर्जन किया गया। शाम को डीएम के पहुंचने की जानकारी होने पर आलाधिकारियों में खलबली मच गई। डीएम और एसपी ने मूर्ति विसर्जन सकुशल संपन्न कराने का निर्देश दिया। सहूलियत के लिए एंबुलेंस, स्वास्थ्य टीम, शौचालय, प्याऊ आदि की व्यवस्था किया गया था। एसडीएम गजेंद्र सिंह, सीओ पंचम लाल, थानाध्यक्ष जयशंकर मिश्र, जितेंद्र चौहान, श्रीप्रकाश, मिथिलेश कुमार, सूरज पांडेय, डॉ. हरेंद्र कुमार, लवकुश और धर्मवीर आदि मौजूद रहे।

नदावर व मझौलीराज घाट से विसर्जित हुई दुर्गा की मूर्तियां

सलेमपुर। पूजा पंडालों में स्थापित मां दुर्गा की मूर्ति की विदाई की गई। छोटी गंडक नदी नदावर के अलावा पोखरा–तालाबों में भी श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की मूर्तियों को विसर्जित किया। शुरू हुआ विसर्जन का सिलसिला देर रात तक पुल पर विसर्जन के लिए प्रतिमाओं की लंबी कतारें लगी थीं। प्रशासन ने ड्रोन कैमरे की नजर से निगरानी की। वहीं मूर्ति आयोजकों ने हाथी घोड़ा के साथ विभिन्न प्रकार की झांकी निकाली। नगर में परंपरागत दशहरा पर लगे मेले का नगरवासियों समेत ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं, पुरुष व बच्चों ने लुत्फ उठाया। नगर समेत ग्रामीण इलाकों की मूर्तियां दोपहर बाद विसर्जन के लिए प्रशासन द्वारा बनवाए गए नदावर व मझौलीराज घाट पर आना शुरू हो गईं। नगर के चेरो रोड स्थित नगर विकास मंच की प्रतिमा लंबी होने के चलते प्रशासन द्वारा सड़क के दोनों तरफ बिजली के तार व पेड़ की डालियों को कटवाकर रास्ता ठीक कराया गया। इस दौरान एसडीएम अरुण वर्मा, सीओ देव आंनद, नायब तहसीलदार डॉ. भागीरथी सिंह, इंस्पेक्टर कपिलदेव चौधरी फोर्स के साथ मुस्तैद रहे। वहीं नगर विकास मंच द्वारा हाथी–घोड़ा, झांकी व सांस्कृतिक कार्यक्रम के बीच मूर्ति विसर्जन किया गया। जबकि नेहरू पार्क, तहसील गेट, सब्जी मंडी मोड़, पाठशाला समेत अन्य मूर्ति आयोजकों द्वारा झांकी, डोल नगरा व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच मूर्ति विसर्जन हुई।

स्वर्ण संघ ने पटनवा पुल पर किया मूर्ति का विसर्जन

देवरिया। आर्य समाज गली शिवाजी मार्ग पर स्वर्णकार संघ के तत्वावधान में स्थापित मां दुर्गा की भव्य मूर्ति का विसर्जन सोनार समाज की ओर से श्रद्धापूर्वक पटनवा पुल पर किया गया। जिलाध्यक्ष राजू वर्मा, नगर अध्यक्ष संजू सोनी, संरक्षक रमेश वर्मा, शिवजी वर्मा, कैलाश वर्मा, शंखपाल सर्राफ, श्यामसुंदर वर्मा के नेतृत्व में आर्य समाज गली से मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के लिए जुलूस ढोल नगाड़े के साथ निकला। अखाड़ा प्रमुख अमित वर्मा, दुर्गेश वर्मा के संचालन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुलूस में शामिल हुए। वह भक्ति संगीत पर थिरकते चल रहे थे। जुलूस मालवीय रोड, सुभाष चौक, कोआपरेटिव चौराहा, नगरपालिका, तहसील, स्टेशन रोड, कसया ढाला होते हुए पटनवा पुल पहुंचा, जहां विसर्जन किया गया। जुलूस में रमेश वर्मा समोगर, ऋषि वर्मा, अविनाश कुमार सिंह, दीपक वर्मा, बड़ेलाल वर्मा, हरेराम, सत्यम मन्नू वर्मा, अंकित वर्मा, आदर्श, अमित कुमार वर्मा और साहिल आदि शामिल थे।

ठेले पर निकली माता की सवारी

रुद्रपुर। भारी बारिश ने मां दुर्गा की मूर्तियों के विसर्जन का रास्ता रोक दिया। लागातार मूसलाधार बारिश होने से दुर्गा पूजा कमेटी के सदस्यों ने विसर्जन टाल दिया। छोटी प्रतिमाओं को छोड़ बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। अचानक मौसम का मिजाज बदलने से दिन में ही ठेले पर मूर्तियों को विसर्जित किया गया। बारिश से मूर्तियों के विसर्जन रुकने से मछरहट्टा वार्ड में नव युवक मंगल दल की ओर स्थापित मूर्ति नंबर चार पर गंगा आरती की तर्ज पर मां दुर्गा की भव्य आरती का आयोजन हुआ। इस अवसर श्रद्धालुओं ने बारिश के पानी में भीग कर मां की आरती में हिस्सा लिया। आरती के दौरान श्रद्धालु विभोर होकर आदि शक्ति की आराधना में लीन हो गए। रुद्रपुर में प्रतिमाओं के विसर्जन का कार्यक्रम .टाल दिया गया। रुद्रपुर नगर के अधिकतर प्रतिमाओं का विसर्जन सेमरौना घाट स्थित बथूआ नदी में हुआ। वहीं बची मूर्तियों का विसर्जन शुक्रवार को हुआ।

संदिग्ध परिस्थितियों में वृद्ध का शव मिला

महराजगंज। थाना क्षेत्र के ग्राम सभा सोनवल–पिपरा कल्याण के सिवान में माइनर में संदिग्ध परिस्थितियों में एक वृद्ध का शव मिला। चौक थाना क्षेत्र के ग्राम सभा सेखुई निवासी रामचंद्र भारती (70) जो पिपरा कल्याण में नेवासा पर रहते थे। सुबह साइकिल से सेखुई से पिपरा कल्याण स्थित घर के लिए मधुबनी सोनवल माइनर के रास्ते पिपरा कल्याण के लिए चले थे। घर नहीं पहुंचने पर परिजन रामचंद्र भारती की तलाश कर रहे थे। सोनवल और पिपरा कल्याण मार्ग से गुजर रहे राहगीरों ने वृद्ध का शव देखकर शोर मचाया। ग्रामीणों ने वृद्ध की पहचान रामचंद्र भारती निवासी चौक थाना क्षेत्र के सेखुई के रूप में की। वे सफेद रंग का कुर्ता और धोती पहने हुए थे। कंधे पर सफेद रंग का तौलिया रखे हुए थे। बगल में साइकिल पड़ी हुई थी। नाक से खून निकल रहा था। रामचन्द्र भारती के परिवार में एक पुत्र प्रेम सागर भारती हैं। थाना प्रभारी सिंदुरिया नासिर हुसैन ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता चल सकेगा

पीएचसी श्यामदेउरवां में जलभराव

परतावल। श्यामदेउरवां स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की हालत बहुत खराब है। जलभराव और गंदगी के कारण यहां आने वाले डॉक्टर, मरीज और कर्मचारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसकी सफाई तथा जलनिकासी के लिए स्टाफ ने कई बार शिकायत भी की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। फार्मासिष्ट धर्मेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि अस्पताल परिसर के उच्चीकरण के लिए कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई असर नहीं हुआ।

बारिश से बढ़ीं दुश्वारियां, धान की फसल को नुकसान

महराजगंज। पहले ही मौसम की मार झेल चुके किसानों को अब शुरू हुई बारिश डराने लगी है। पहले सूखे जैसे हालात होने से धान की फसल बर्बाद हो गई थी। अब बालियां निकलने को हैं तो लगातार दो दिनों से हो रही बारिश ने दिक्कत बढ़ा दी है। दूसरी तरफ शहरों में जलभराव से जलनिकासी व्यवस्था की पोल खुल खुल चुकी है। मोहल्लों में लोगों को घर से निकलते ही पानी से होकर आना–जाना पड़ रहा है। सड़क अब तालाब जैसी नजर आ रही है। जिले में 126 एमएम बारिश हुई है। महराजगंज नगर क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग कार्यालय परिसर में जलभराव हो गया है। दुर्गा मंदिर परिसर में जलभराव से श्रद्धालुओं को दुश्वारियां झेलनी पड़ीं। मंदिर के पीछे पोखरी उफान होने से जलभराव हो गया है। कॉलेज रोड पर किनारे दुकानों में पानी घुसने से दुकानदार .दिनभर परेशान रहे।

जिला परिषद मार्केट में भी जलभराव हो गया है। आबकारी कार्यालय, आंबेडकर पार्क जाने वाली सड़क, लोहिया नगर, विस्मिल नगर समेत अन्य मोहल्लों में जलभराव से होकर लोगों को आना–जाना पडा। नगर पालिका अध्यक्ष कृष्णगोपाल जायसवाल ने बताया कि जलभराव को दूर करने की हर संभव कोशिश की जा रही है। बारिश रुकने पर ज्यादातर हिस्सों में जलभराव दूर हो जाएगा।

कोठीभार प्रतिनिधि के अनुसार, बरसात से सिसवा नगर में दुकानों में पानी घुस गया। कपड़े के एक दुकानदार विनोद ने बताया कि पानी घुसने से कपड़े खराब हो गए हैं। मनोज, अशोक, सौरभ जायसवाल, शैलेश ,अनुराग, पट्टू पटवा, गोपाल पटवा, रमेश केशरी, विनोद केशरी ने बताया कि पालिका की लापरवाही से हर साल परेशानी होती है। अधिशासी अधिकारी राम दुलारे यादव ने कहा कि सफाई कर्मचारी जलनिकासी की समस्या दूर करने में जुटे हैं।

अड्डा बाजार प्रतिनिधि के अनुसार, जमुहनिया–पडरहवा पिच मार्ग, गजरही रेलवे ढाला से मुडेहरा पिच मार्ग, रेलवे गेट से नईकोट रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क, छितरापार सड़क पर जलभराव है।

किसानों को सता रही धान की फसल बर्बाद होने की चिंता

किसान बाबूलाल, चंद्रभूषण, रामऔतार, रमाकांत ने कहा कि मंगलवार शाम से हवा के साथ शुरू हुई बारिश .शाम तक जारी रही। इसके चलते जिले के सिसवा, घुघली, निचलौल, झुलनीपुर, गड़ौरा, ठूठीबारी, बरगदवा, नौतनवां, फरेंदा, सिंदुरिया, पनियरा, परतावल क्षेत्र में बाली निकले धान की फसलें गिर गई है। इससे धान की फसल बर्बाद होने की चिंता किसानों को सता रही है। किसानों को यह भय सताने लगा है कि खरीफ की फसल तो बर्बाद हुई हुई, अब रबी की बुआई भी समय से नहीं हो सकेगी। ऐसे में दोनों फसलों के बर्बाद होने से किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ सकती है। बरसात के चलते सब्जी व मक्का की खेती को भारी नुकसान हुआ है। कृषि विज्ञान केंद्र बसूली के कृषि वैज्ञानिक डॉ. विजय चंद्रन ने कहा कि अब हो रही बारिश से सब्जी, मक्का आदि फसलों के लिए हानिकारक है। वहीं गिरे धान के फसलों के पैदावार पर भी काफी असर पड़ेगा। इस बारिश से रबी की फसल बुआई में देर होगी। पनियरा क्षेत्र के रोहिन नदी के तटबंध के किनारे एवं आस पास सैकड़ों एकड़ खेत धान की फसल में जलभराव है। एसडीएम सदर मोहम्मद जसीम का कहना है कि जहां पर धान की फसल पानी में डूब गई है, वहां पर राजस्व कर्मियों को भेजकर सर्वे कराया जाएगा।

रुपये मांगने के आरोप में लिपिक निलंबित, एडी कार्यालय बस्ती से संबद्ध

देवरिया। सेवानिवृत्त कर्मचारी के क्लेम भुगतान के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के अधीन जिला क्षय रोग के लिपिक द्वारा रुपये मांगने का वीडियो वायरल होने के बाद मामले का स्वास्थ्य निदेशालय ने संज्ञान लेते हुए संबंधित लिपिक को निलंबित कर दिया है। उन्हें अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण बस्ती मंडल कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। साथ ही मामले की जांच के लिए अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण बस्ती मंडल को जांच अधिकारी नामित किया गया है।

दो दिन पहले लिपिक गिरजेश्वर मणि त्रिपाठी की ओर से रुपये मांगने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। लिपिक सेवानिवृत्त एक कर्मचारी व उसके परिजनों से कह रहा है कि क्लेम पास कराने के लिए जो सिस्टम है, उसके मुताबिक दस हजार रुपये देना होगा। महिला के साथ आए युवक के एक हजार रुपये देने पर वह लौटा दिए। कह रहे हैं कि यह रुपये रखने पर खर्च हो जाएंगे, अपने पास से मिलाना पड़ेगा। अन्य लोगों को देना पड़ता है। पूरा रुपये लेकर आने पर काम हो जाएगा। वीडियो वायरल होने के बाद सीएमओ डॉ. राजेश झा ने दो एसीएमओ को मामले की जांच की सौंपी। इसी बीच स्वास्थ्य निदेशालय ने लिपिक गिरजेश्वर मणि त्रिपाठी को निलंबित कर दिया। निदेशक प्रशासन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. राजगणपति आर ने पत्र जारी किया है। इसमें लिपिक को निलंबित कर अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण बस्ती मंडल, बस्ती कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। सीएमओ डॉ. राजेश झा ने बताया कि लिपिक को स्वास्थ्य निदेशालय से निलंबित कर दिया गया है। मामले की जांच के लिए अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण बस्ती मंडल, बस्ती को अधिकारी नामित किया गया है।

भक्ति गीतों एवं जयघोष के बीच दुर्गा की मूर्तियों का विसर्जन

देवरिया। शारदीय नवरात्रि के हवन पूजन के साथ विधि विधान से समापन के बाददुर्गा मूर्तियों का भक्ति गीतों एवं जयघोष के बीच विसर्जन किया गया। शहर से लेकर देहात क्षेत्र में वाहनों पर मूर्तियों को सजाकर जुलूस निकाला गया। प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए युवाओं की टोलियों ने जोश व उत्साह के साथ नृत्य करते हुए देवी के जयकारे लगाए। शहर के हिंदू सम्राट दल, ईगल क्लब हनुमान मंदिर, सम्राट क्लब व सार्वजनिक दल शिव जागरण कमेटी भुजौली कालोनी, मां भगवती क्लब न्यू कॉलोनी, सार्वजनिक दल शिव जागरण कमेटी भुजौली कालोनी सहित विभिन्न स्थानों पर रखी गई मूर्तियों का धूमधाम से विसर्जन किया गया। जुलूस के साथ पूरे रास्ते भी विभिन्न क्लबों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी पहले से ही की गई थी, दोनों तरफ सड़क पर एवं छतों पर खड़े महिला–पुरुषों एवं बच्चों ने मूर्तियों के दर्शन किए और विभिन्न करतबों से युक्त कार्यक्रमों का भी खूब आनंद लिया। यात्रा के दौरान आतिशबाजी भी हुई। नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए जुलूस कसया रोड के लच्छीराम पोखरा, परमार्थी पोखरा व पटनवा पुल पर पहुंचा। यहां विधिवत पूजन अर्चन के बाद मूर्तियों को विसर्जित किया गया।

धूमधाम से हुआ मूर्ति विसर्जनः देसही देवरिया। क्षेत्र में देर शाम तक मूर्ति विसर्जन किया गया। इस दौरान सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। देसही देवरिया के हेतिमपुर छोटी गंडक नदी के तट पर देर शाम तक आदि शक्ति दुर्गा की मूर्ति का विसर्जन बैंड–बाजे के साथ किया गया। यहां दो जिलों की 300 से ज्यादा मूर्तियों का विसर्जन किया जाता है। वहीं, मठिया, वृंदावन के अलावा भी कई जगहों पर मूर्ति विसर्जित हुआ। इस दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। प्रकाश और बैरिकेटिंग के अलावा नाव और गोताखोरों की टीमें भी तैनात की गई थीं।

देर रात तक हुआ देवी मूर्तियों का विसर्जनः मेहरौनाघाट/चनुकीघाट। नगर सहित थाना क्षेत्र के अलग–अलग गांवों में रखी गई देवी मूर्तियों का देर रात तक मेहरौनाघाट में विसर्जन हुआ। सुरक्षा के तौर पर भारी पुलिस बल तैनात रही। लार बाजार में तकरीबन दो दर्जन से अधिक दुर्गा प्रतिमाएं पूजन के लिए रखी गई थीं। दोपहर बाद आयोजक वैदिक मंत्रोचार के बीच हवन पूजन कर विसर्जन की तैयारी में जुटे। इसके बाद भक्त दुर्गा माता की जयघोष करते हुए मेहरौनाघाट के पुल पर पहुंचे। जहां पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। एएसपी राजेश सोनकर, एडीएम, एसडीएम अरुण कुमार वर्मा, सीओ देव आनंद सहित प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा चनुकीघाट पर भी मूर्तियों का विसर्जन किया गया। यहां भी पुलिस बल तैनात रही।

मेले के दौरान देखने को मिली गंगा जमुनी तहजीबः दुर्गा विसर्जन के दौरान लार नगर में गंगा जमुनी तहजीब देखने को मिली। विसर्जन के लिए निकले श्रदालुओ को गांधी मार्केट चनुकी मोड़ पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मिठाई खिलाकर स्वागत किया ।

पुलिस की देखरेख में हुआ मूर्ति विसर्जनः पथरदेवा। स्थानीय बाजार की सभी मूर्तियों का विसर्जन पुलिस की देखरेख में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर पथरदेवा पुलिस चौकी इंचार्ज दल बल के साथ लगे रहे। विभिन्न वर्गों के सदस्य अपनी मूर्तियों को वाहनों पर रखकर शांति पूर्वक विसर्जन के लिए बसंतपुर घाट पर ले गए। इस अवसर पर राम मंदिर की झांकी आकर्षण का केंद्र बनी रही।

नारायणगढ़–मुगलिक, पोखरा और बेनीसहर–चामे मार्ग अवरुद्ध

महराजगंज। नेपाल में लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। भूस्खलन के कारण विभिन्न सड़क अवरुद्ध हो गई है। भूस्खलन के कारण नारायणगढ़–मुगलिक मार्ग खंड अवरुद्ध हो गया है। इसी तरह मकवानपुर के त्रिभुवन राजपथ पर बागझोर नदी उफान पर है, जिससे राजपथ (हेटौंडा–पालुंग–काठमांड़ों) सड़क खंड और भीमफेंडी–कुलेखानी मार्ग खंड अवरुद्ध हो गया है। मकवानपुर की पुलिस ने बताया कि ललितपुर के तकरचे में भूस्खलन के बाद कांतिलोकपथ भी अवरुद्ध है। पोखरा को जोड़ने वाले सिद्धार्थ हाईवे का वॉलिंग–गलयांग खंड भी भूस्खलन से अवरुद्ध हो गया है। स्यांगजा जिला पुलिस कार्यालय के पुलिस प्रवक्ता रवींद्र खनाल ने बताया कि गलांग–8 झोलपे म सुबह करीब चार बजे भूस्खलन के कारण सड़क अवरुद्ध हो गई। स्यांगजा और कास्की की सीमा पर कुभिंडे में अवरुद्ध सिद्धार्थ मार्ग को एक दिशा में खोल दिया गया है।

इन सड़कों से भी आवागमन ठपः बेनी–भाकुंडे, बेनी–पखापानी, बेनी–दरबांग, बेनी–पुलाचौर आदि सड़कें बाढ़ और भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हो गई हैं। बेनी–जोम्सम रोड सुपरवाइजर इंद्रसिंह शेरचन ने बताया कि मायागड़ी में घुपन ताल, बैसरी, बेग खोला, तातोपानी भीर, जलाथले, गुथे भीर, रूपसे झरना और कावरेवीर जैसे स्थानों पर सड़क जाम है। सड़क अवरुद्ध होने के बाद, बेनी से मस्टैंग और उत्तरी म्यागडी जाने वालों को बेनी में रोका गया। बेनी–मालढुंगा–पोखरा मार्ग भी बीच में अवरुद्ध है।

सावधानी बरतने का सुझावः नेपाली मौसम विज्ञानी ने कहा है कि नेपाल में भी लगातार बारिश हो रही है। यह स्थिति कुछ और दिनों तक बनी रहेगी। मौसम विज्ञानी का सुझाव है कि सावधानी बरतनी चाहिए। बारिश के कारण जगह जगह सड़क बंद होने के कारण भारतीय पर्यटक जगह जगह फंस गए। वहीं, ज्यादा संख्या में भारतीय मालवाहक वाहन भी जगह जगह फंसे हैं।

शिकायत पर समस्या दूर नहीं होने पर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

पनियरा। क्षेत्र की ग्राम पंचायत बैदा में गांव के मुख्य सड़क पर लोग जलभराव से परेशान हैं। गंदे पानी के बीच से निकलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई न होने पर ग्रामीणों ने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। सड़क का निर्माण एवं जलनिकासी की व्यवस्था कराए जाने की मांग की गई। बैदा गांव मुख्य सड़क पर बालगोविंद गुप्ता के नेतृत्व में ग्रामीण जलभराव स्थल पर एकत्रित हुए। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क काफी नीचे है। बारिश के दौरान सड़क पर जलभराव हो जाने से लोगों को निकलने में परेशानी हो रही है। राजेंद्र तिवारी, दीपू सैनी, परशुराम गुप्ता, पंकज तिवारी, समुन्नर यादव, जयराम गुप्ता, मोहित गुप्ता, बांकेलाल गुप्ता, बाबूलाल गुप्ता, रामसुंदर यादव, रामाज्ञा गुप्ता, नवीन यादव आदि ने मांग की कि गांव के मुख्य सड़क का निर्माण कराकर जलनिकासी की समुचित व्यवस्था कराई जाए। खंड विकास अधिकारी डॉ. सुशांत सिंह का कहना कि सचिव से मामले की जानकारी ली जाएगी। समस्या का समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। उधर, बसडिला में स्थित हरिहरपुर में जलभराव हो गया है। ग्रामीणों ने पानी निकासी नहीं होने पर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने कहा कि बारिश होते ही जलभराव हो जाता है। असलम अहमद अंसारी, रामकिशुन, नगीना, मोहित, गुलाब, बहादुर, मोती, अयोध्या, अनिल आदि ने नगर पंचायत पनियरा अधिकारियों से मांग की कि हरिहरपुर में जलनिकासी की व्यवस्था कराई जाए। ईओ देवेंद्र मणि त्रिपाठी का कहना है कि कर्मियों को जलनिकासी की व्यवस्था करने के लिए लगाया गया।

कार की चपेट से दो चचेरी बहनों की मौत

परतावल (महराजगंज)। श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र के गोरखपुर–महराजगंज मुख्य मार्ग पर बसहियां खुर्द स्थित दुर्गा मंदिर के सामने तेज रफ्तार कार की चपेट से दो चचेरी बहनों की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना पर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने ट्वीट कर दुख प्रकट किया है। जानकारी के मुताबिक, इस दुर्घटना में कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उन्हें सीएचसी परतावल ले जाया गया। वहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर रेफर कर दिया। बसहियां खुर्द निवासी शालू (12) पुत्री रामसनेही अपनी चचेरी बहन अंशिका (9) पुत्री धीरेंद्र जायसवाल के साथ दुर्गा मंदिर के सामने खड़ी थी। अचानक गोरखपुर से महराजगंज की तरफ जा रही तेज रफ्तार कार सड़क के किनारे बनी नाली को पार करते हुए दोनों बहनों को रौंदते हुए आगे निकल गई और दीवार में टक्कर मारते हुए सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी परतावल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने दोनों चचेरी बहनों को मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर रूप से घायल चालक विजय चौधरी (28) निवासी हथियागढ़ भिटौली को मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर रेफर कर दिया गया। प्रभारी निरीक्षक आनंद कुमार गुप्ता ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे अंडरपास में भरा पानी, लोगो के आने जाने में हो रही परेशानी

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज। नौतनवां क्षेत्र के बरवांकला गांव के पास बना रेलवे का अंडरपास दर्जनों गांवों के लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। बारिश का

पानी अंडरपास में भर गया है, जिससे लोगों का आना–जाना रुक गया है। सोनौली–गोरखपुर हाईवे से नौतनवा थाना क्षेत्र के चण्डीथान के पूरब एक पीडब्ल्यूडी की सड़क निकली है, जिससे होकर बरवांकला, चौतरवां, चमैनिया, भेडही, दुर्गापुर, गोपलापुर, मध्यनगर, बेनीपुर, महुअवा नम्बर एक, सरोतरपुर, रामनगर, चन्दनपुर ,बैरवां बनकटवा आदि गांवों के लोग आते–जाते हैं। बरवांकला गांव के पास रेलवे का अंडरपास बना हुआ है, जिसको पार कर लोग गुजरते हैं। लेकिन कई दिनों से हो रही बारिश की वजह से इस अंडरपास में पानी भर गया है।

पवन कुमार को पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा कर्तव्य बोध सम्मान से सम्मानित किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सोनभद्र को अलग राज्य की मांग कर रहे संगठन पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा ने अधिवक्ता भवन, तहसील परिसर, रावटसगंज सोनभद्र में मोर्चा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अतुल प्रताप पटेल एडवोकेट को एवं वरिष्ठ अधिवक्ता पवन कुमार द्विवेदी को पुष्पगुच्छ एवं ष्कर्तव्य बोध सम्मान प्रमाण–पत्र देकर से सम्मानित किया। मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने कहा पूर्वांचल राज्य बनाने की काफी लंबे समय से मांग की जा रही है। लेकिन सरकार की ओर से अभी तक इसे पूरा नहीं किया गया है। समय रहते सरकार द्वारा पूर्वांचल राज्य बनाने पर विचार करना चाहिए। क्योंकि पूर्वांचल का बेरोजगार नौजवान अब पूर्वांचल राज्य की जरूरत को महसूस कर रहा है अगर उत्तर प्रदेश का पुनर्गठन कर अलग पूर्वांचल राज्य बनता है तो पूर्वांचल के सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक का विकास होगा। कर्तव्य बोध सम्मान से सम्मानित राष्ट्रीय प्रवक्ता अतुल प्रताप पटेल एवं प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष चतुर्वेदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश का पुनर्गठन हो, क्योंकि यहां बिजली की अनुपलब्धता, गोरखपुर खाद कारखाना बंद होना, कई चीनी मिलों की बंदी, बेरोजगारी से बड़े पैमाने पर पलायन, बाढ़ और सूखे से परेशानी, पर्यटन स्थलों का विकास न होना, आधी जनसंख्या गरीबी रेखा से नीचे होना है पूर्वांचल राज्य जरूरी है !इस कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर नोटरी अधिवक्ता सत्य प्रकाश कुशवाहा, शिव प्रकाश चौबे ,सत्यम शुक्ला एडवोकेट नामवर कुशवाहा, एडवोकेट बी पी सिंह, पारस कुशवाहा, नवीन कुमार पांडे एड, शाहनवाज खान एडवोकेट आदि धन्यवाद संजीव कुमार उर्फ काकू सिंह ने दिया।

आकाशीय बिजली से तीन लोग झुलसे

दैनिक बुद्ध का संदेश

घोरावल/सोनभद्र। अलग–अलग स्थानों पर बृहस्पतिवार को देर शाम बिजली गिरने से 3 लोग झुलसे। पथरताल गांव निवासी किशन (15) पुत्र बाबूलाल वह उसकी भाभी रतन देवी (20) पत्नी दीपक यादव और पिपरवार गांव निवासी पूजा (13) पुत्री राधे बृहस्पतिवार देर शाम बिजली गिरने से झुलस गए। उन्हें परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। रतनदेवी के परिजनों ने बताया कि बृहस्पतिवार देर शाम दोनों ओसार में बैठे हुए थे। उसी समय पास में बिजली गिरने से दोनों उसकी जद में आ गए और दोनों झुलस गए। पूजा के परिजनों ने बताया कि पूजा ओसार में बैठी थी। उसी दौरान बिजली की चपेट में आने से अचेत हो गई। घोरावल सीएचसी में तीनों का उपचार किया गया। उपचार के बाद डॉक्टर ने तीनों की हालत खतरे से बाहर बताया।

सड़क दुर्घटना में पांच लोग हुए घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

घोरावल/सोनभद्र। अलग–अलग स्थानों पर बृहस्पतिवार रात सड़क दुर्घटना में 5 लोग घायल हुए। मिर्जापुर के आमघाट निवासी प्रदीप (22) पुत्र रामधनी व घोरावल के मोहिनी गांव निवासी आशीष (24) पुत्र पिंटू, खुटहां गांव निवासी कमलेश (32) पुत्र भीखम उसकी पत्नी बसंती (30) व साले अमर (22) पुत्र राजकुमार बृहस्पतिवार रात सड़क हादसे में जख्मी हो गए। जिन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया।कमलेश के परिजनों ने बताया कि बसंती,कमलेश व अमर रिश्तेदारी से वापस लौटते समय घोरावल के कोहरथा मोड़ पर दूसरी बाइक से हुई टक्कर में घायल हो गए। वही खड़देउर गांव में हुई दूसरी घटना में घायल प्रदीप व आशीष के परिजनों ने बताया कि खड़देउर गांव में एक बाइक पर सवार आशीष व दूसरी बाइक पर सवार प्रदीप आपस में टकरा गए। हादसे में घायल दोनों युवकों को ग्रामीणों की मदद से सीएचसी में भर्ती कराया गया। उपचार के बाद डॉक्टर ने सभी की हालत में सुधार बताया।

इसरा संस्थान नई दिल्ली एंव युवा भारत ट्रस्ट ने डिजिटल प्लेटफार्म पर ग्रामीणों को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सदर ब्लॉक के देवरी खुर्द गांव के पंचायत भवन पर

युवा भारत के जिला समन्यवक चन्द्रभान गुप्ता के नेतृत्व में ग्रामीणों को डिजिटल प्लेटफार्म पर जागरूक किया।चन्द्रभान ने बताया कि इसरा संस्थान नई दिल्ली के महाप्रबंधक अभिषेक अग्रवाल हमारे युवा भारत ट्रस्ट के स्वंयसेवको को डिजिटल लेवल पर जागरूक कर रहे है। उन्होंने बताया की हमारे संगठन के राष्ट्रीय संयोजक सौरभ कांत पति तिवारी का गृह जनपद होने के कारण वो लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर ग्रामीणों को सरकार के द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं।उन्होंने बताया कि देवरी खुर्द के ग्रामीणों का कुल पैतीस निशुल्क पैन कार्ड, तीस पीवीसी आधार कार्ड का आवेदन, दस आधार कार्ड संसोधन,सात वोटर आईडी को आधार से लिंक किया गया। ट्रस्ट द्वारा प्रधानमंत्री सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री करम योगी मान धन योजना, जन्म एंव मृत्यु प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के बारे में ग्रामीणों को बताया गया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मन्नन ने युवा भारत के द्वारा जनहित में किये जा रहे कार्यों की सराहना की। उक्त अवसर पर दीपा, वेदमती, रेखा, गुड़िया, भानमती, कमला, प्रेमा, मीना, रमेश यादव, नागेन्द्र विश्वकर्मा, श्रीराम, अमरेश, कृष्ण कुमार, शम्भू नाथ आदि लोग मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान जागरूकता कार्यक्रम

कर्मा थाना पुलिस ने हंस वाहिनी इंटर कालेज कसया में मिशन शक्ति,साइबर जागरूकता तहत किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के निर्देशन में थाना कर्मा पुलिस द्वारा हंस वाहिनी इंटर कालेज कसया में साइबर जागरुक अभियान का आयोजन किया गया। जिसमें "मिशन शक्ति" अभियान के तहत कर्मा थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह एवम महिला पुलिस प्रगति तिवारी, रेखा, ममता सिंह ने सभी छात्राओं को सरकार द्वारा जारी विभिन्न हेल्प लाइन नम्बरों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए जागरुक किया गया तथा साइबर अपराध जैसे– सीम कार्ड के माध्यम से होने वाले फ्रॉड, एटीएम कार्ड बदलकर होने वाले फ्रॉड,डेबिट कार्डध्क्रेडिट कार्ड के माध्यम से होने वाले फ्रॉड, बायोमैट्रिक फ्रॉड, यूपीआई सम्बन्धी फ्रॉड, फोन कॉल के माध्यम से होने वाले फ्रॉड, पालिसी, चिट फण्ड, लॉटरी का लालच देकर होने वाले फ्रॉड, ओएलएक्स के माध्यम से सामान खरीदने व बेचने से सम्बन्धित फ्रॉड तथा सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी देकर उनके बचाव के उपाय सुझाये गये तथा छात्राओं से सुझाव तथा छात्राओं के शंका का समाधान किया गया उक्त अवसर पर प्रबंधक राजेश मिश्रा, प्रधानाचार्य उमाकांत मिश्रा, समस्त अध्यापक छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

एनडीपीएस एक्ट का वारंटी गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बीजपुर/सोनभद्र। स्थानीय पुलिस ने फरार चल रहे एनडीपीएस एक्ट के आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया । आरोपी उमेश बैगा पुत्र राम लखन बैगा निवासी डोड़हर, थाना बीजपुर के विरुद्ध स्थानीय थाने में मामला पंजीकृत था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी पहले जेल जा चुका है तारीख पर न्यायालय उपस्थित नहीं हो रहा था। न्यायालय के आदेश पर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक विनोद यादव, आरक्षी पुरुषोत्तम कुमार आदि शामिल रहे ।

थाना दुद्धी पुलिस द्वारा गैगेंस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी रोकथाम लगाने एवं उनकी गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना दुद्धी पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0–156ध 2022 धारा 3(1) गैगेंस्टर एक्ट से सम्बन्धित वांछित 01 नफर अभियुक्त राजेश कुमार खरवार पुत्र पाचू खरवार निवासी नगवा, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 32 वर्ष को ग्राम नगवा से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया ।

भारतीय किसान यूनियन ने एक सौ सत्रह वृद्धाओं को कराया गया भोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। भारतीय किसान यूनियन टिकैत द्वारा सफेदाबाद में 6 अक्टूबर को बाबा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 87 वी जयंती

मनाई गयी। और इस दिवस को किसान मजदूर एकता दिवस की तरह मनाया गया। इस दौरान सर्वप्रथम चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हे याद किया गया। तत्पश्चात स्वर्गीय मुकेश सिंह की नीतियों पर चलकर हर बार सामाजिक कार्यों द्वारा उनकी जयंती मनाई जाती है। उसी क्रम को बढ़ाते हुए सफेदाबाद में निकट वृद्धा आश्रम पर 117 वृद्धाओ को भोजन बनवा कर भोजन करवाया गया। वहीं इस अवसर पर प्रदेश सचिव उत्तम सिंह, युवा जिला अध्यक्ष उत्कर्ष तिवारी, जिला प्रवक्ता शाहिद, मीडिया प्रभारी राजेश वर्मा, ब्लॉक सचिव बंकी विशेष वर्मा,व अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

रिजर्व पुलिस लाइन में वर्दी धुलाई केन्द्र का किया गया उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक अनुराग वत्स द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में पुलिस कर्मियों एवं पुलिस परिवार के कपड़ो को धुलने

हेतु अधिक क्षमता (लगभग 100 कपड़े एक साथ) वाली लगभग चार लाख कीमत की वाशिंग मशीन लगवाई गई है। सात अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक बाराबंकी द्वारा "वर्दी धुलाई केन्द्र" का उद्घाटन किया गया। यह पुलिसकर्मियों के लिए हर्ष का विषय है। पुलिस अधीक्षक बाराबंकी द्वारा इसके साथ–साथ पुलिस लाइन में विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया गया तथा सम्बन्धित को समुचित साफ–सफाई रखने एवं अन्य आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी, क्षेत्राधिकारी नगर व प्रतिसार निरीक्षक बाराबंकी आदि उपस्थित रहे।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

15 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर आएगी तापसी पन्नू की दोबारा

अभिनेत्री तापसी पन्नू की थ्रिलर फिल्म दोबारा बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों को जुटाने में असफल रही थी। अनुराग कश्यप के निर्देशन की यह फिल्म 19 अगस्त को सिनेमाघरों में आई थी। आज फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। यह फिल्म 15 अक्टूबर को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होगी। मेकर्स तो यही उम्मीद लगाए बैठे होंगे कि फिल्म को डिजिटल प्लेटफॉर्म के दर्शकों का प्यार मिलेगा।

नेटफ्लिक्स ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर दोबारा की ओटीटी रिलीज डेट घोषित की है। नेटफ्लिक्स ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, समय की यात्रा की संभावना के साथ तूफानी मौसम देखिए। तापसी ने साइंस फिक्शन थ्रिलर दोबारा में अपने अतीत, वर्तमान और भविष्य के रहस्यों को सुलझाया है। फिल्म 15 अक्टूबर को केवल नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होगी। थिएट्रिकल रिलीज के डेढ़ महीने बाद फिल्म को ओटीटी पर रिलीज किया जा रहा है।

संभवतरू सिनेमाघरों में फिल्म के खराब प्रदर्शन के कारण ही इसे जल्दी नेटफ्लिक्स पर रिलीज करने का विचार किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने अब तक भारत में मात्र 5.35 करोड़ रुपये ही कमाए हैं। पहले दिन फिल्म केवल 0.72 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर पाई थी। ओपनिंग वीकेंड आते–आते फिल्म ने अपने खाते में 2.98 करोड़ रुपये जोड़े थे। इस प्रकार यह फिल्म सिनेमाघरों में पैसा वसूल नहीं कर पाई।

फिल्म की शुरुआत एक जियोमैगनेटिक तूफान आने की खबर के साथ होती है। अंतरा (तापसी) तूफान के समय टीवी के जरिए 26 साल पहले के एक बच्चे, अनय से मिलती है। वह अनय को उस दुर्घटना के बारे में बताती है, जिसमें उसकी मौत होने वाली है। इस तरह वह उसकी जान बचा लेती है। अतीत बदलने के कारण अंतरा का वर्तमान भी बदल जाता है। नए वर्तमान में उसके लिए सबकुछ बदल जाता है।

अनुराग कश्यप की दोबारा स्पैनिश ड्रामा मिराज से प्रेरित है। यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी। हालांकि, निर्माताओं ने फिल्म के मिराज से किसी संबंध पर आधिकारिक बात नहीं कही है।

दोबारा में तापसी के साथ अभिनेता पावेल गुलाटी भी नजर आए हैं। हिमांशी चौधरी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। मशहूर फिल्म निर्माता एकता कपूर ने इसका निर्माण किया है। इस फिल्म को प्रोड्यूस करने में शोभा कपूर, सुनिर खेत्रपाल और गौरव बोस ने भी अपना हाथ बंटाया है। अनुराग और तापसी ने तीसरी बार इस फिल्म के लिए हाथ मिलाया। इससे पहले दोनों ने मनमर्जियां और सांड की आंख में एक साथ काम किया था। आने वाले दिनों में नेटफ्लिक्स पर कई अहम प्रोजेक्ट्स आने वाले हैं। गन्स ऐंड गुलाब्स में राजकुमार राव और दुलकर सलमान नजर आएंगे। इस सीरीज को दिवाली के मौके पर रिलीज किया जा सकता है। राजकुमार की फिल्म मोनिका, ओ माय डार्लिंग नेटफ्लिक्स पर नवंबर में रिलीज होगी। सान्या मल्होत्रा की फिल्म कटहल भी दिवाली के मौके पर नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो सकती है। हाल में फिल्म का टीजर सामने आया था।

अनुपम खेर की 532वीं फिल्म से डेब्यू करेंगे गुरु रंधावा

लोकप्रिय पंजाबी गायक गुरु रंधावा अभिनय की दुनिया में कदम रखने और अनुभवी अभिनेता अनुपम खेर की 532वीं फिल्म से डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अनुपम ने इंस्टाग्राम पर गुरु के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की। उनकी पीठ कैमरे

की तरफ है क्योंकि दोनों फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं। अनुभवी स्टार ने गायक के ट्रैक हाई रेटेड गबरू को भी बैकग्राउंड में बजते हुए सुना जा सकता है। उन्होंने इसे कैप्शन दिया, मैं अपनी 532वीं स्क्रिप्ट पढ़ रहा हूं और यह उनकी पहली है! भले ही वह पहले से ही एक सुपर स्टार हैं। देवियों और सज्जनो! पेश है गुरुरंधावा – अभिनेता! उन्हें अपना प्यार और आशीर्वाद दें! जय माता दी!उसी तस्वीर को साझा करते हुए, गुरु ने लिखा, मैं इससे बेहतर लॉन्च के लिए नहीं सोच सकता था। मैं अपनी पहली स्क्रिप्ट पढ़ रहा हूं और यह उनकी 532वीं है। उन्होंने कहा, मैं एक नया कलाकार हूं और खेरसाब एक लीजेंड हैं (सर ये कहलाना पसंद नहीं करते)। आप लोग एक गायक के रूप में मेरे लिए बहुत उदार और दयालु रहे हैं। अब मुझे एक अभिनेता के रूप में अपनी नई यात्रा में आपके प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है। मैं बहुत मेहनत करने का वादा करता हूं! मैं इससे बेहतर लॉन्च के लिए नहीं सोच सकता था। रब राखा!

गुड बैड गर्ल में वकील की भूमिका निभाएंगी गुल पनाग

अभिनेत्री गुल पनाग जल्द ही आगामी स्ट्रीमिंग शो गुड बैड गर्ल में नजर आएंगी। अभिनेत्री पहली बार एक वकील का किरदार निभाएंगी। मुंबई की पृष्ठभूमि पर बना यह शो माया आहूजा के इर्द–गिर्द घूमता है, जो एक जीवंत और अजीब लड़की है, जिसके पास बताने के लिए तीन अलग–अलग कहानियां हैं।

शो के ट्रेलर का मुंबई के जुहू इलाके में अनावरण किया गया। शो के बारे में बात करते हुए, गुल पनाग ने कहा, मैं स्क्रिप्ट और शो की अवधारणा से काफी प्रभावित थी। कहानी रोजमर्रा की जिंदगी की है जिससे लोग रूबरू होते रहते हैं।

सभी कैरेक्टर ताजा हैं विभिन्न परतों के साथ जो कहानी में सही मसाला जोड़ते हैं।यह सीरीज दिखाती है कि कैसे लोग, नियम, संस्कृति, समाज और कानून सात साल के बच्चे के दिमाग को 28 साल की उम्र तक एक चालाक व्यक्ति में बदलने के लिए प्रभावित करते हैं।

अभिनेत्री ने आगे उल्लेख किया, मैं पहली बार एक वकील की भूमिका निभा रही हूं और मेरा किरदार जैना मिस्त्री का है जो शो में अन्य पात्रों विविधता को संतुलित करता है। वह तर्क करना जानती है, बिल्कुल वैसे ही जैसे मैं हूं वास्तविक जीवन में।

प्रतिभाशाली कलाकारों का एक समूह इस शो में है जिसने इस यात्रा को अविश्वसनीय बना दिया है।शो अभिषेक सेनगुप्ता द्वारा अभिनीत और विकास बहल और अनुराग श्रीवास्तव द्वारा निर्मित है। शो में समृद्धि दीवान, वैभव राज गुप्ता, शीबा चड्ढा, आराध्या अंजना, नम्रता सेठ, राजेंद्र सेठी और जैन खान भी हैं।गुड बैड गर्ल 14 अक्टूबर से सोनी लिव पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध होगी।

हुमा कुरैशी की तस्वीरें देखकर आपको भी हो जाएगा प्यार, फैंस कर रहे लाइक्स की बौछार

बॉलीवुड की जानी–मानी एक्ट्रेस हुमा कुरैशी अपनी बोल्ड अंदाज के लिए काफी पसंद की जाती हैं। गैंग्स ऑफ वासेपुर से करियर में मुकाम पाने वाली हुमा कुरैशी की महारानी वेब सीरीज के दोनों सीजन हिट रहे । वहीं, हुमा की लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। हुमा कुरैशी कभी साड़ी पहने नजर आती है। तो कभी थाई हाई स्लिट ड्रेस पहनकर फैंस के दिलों को धड़का रही हैं। हुमा कुरैशी सोशल मीडिया पर भी अपनी हॉटनेस का जलवा बिखेरती रहती हैं। उनकी पोस्ट का फैंस बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। विंटर कमिंग शून लिखते हुए हुमा कुरैशी ने स्वेटर पहने हुए अपनी काफी खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट की हैं। जिन्हें देखकर फैंस काफी एक्साइटेड हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर हुमा कुरैशी अपने फैंस के लिए निजी और प्रोफेशनल पलों को साझा करने से कभी नहीं चूकती हैं। हुमा कुरैशी का जन्म 28 जुलाई 1986 को दिल्ली में हुआ है। उनके पिता सलीम कुरैशी दिल्ली के मशहूर बिजनेसमैन हैं। एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने अपने करियर की शुरुआत साल 2012 में फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर से की थी। पहली फिल्म में ही लोगों ने हुमा को इतना पसंद किया कि उन्होंने बदलापुर, डायन, जॉली एलएलबी 2 और काला सहित कई सुपरहिट फिल्में दे दीं। हुमा कुरैशी जल्द ही अपने नए प्रोजेक्ट पूजा मेरी जान की घोषणा की है। जबकि डबल एक्सएल, तरला, मोनिका ओ माई डार्लिंग और हीरामंडी जैसी फिल्मों में हुमा नजर आएंगी। इंस्टाग्राम पर उनकी एक झलक पाने के लिए फैंस दीवाने रहते हैं। उनके इंस्टा अकाउंट पर 5.9 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

बंद नहीं हुई है विक्की कौशल की द इम्मोर्टल अश्वत्थामा, अगले साल शुरू होगी शूटिंग

कुछ समय पहले अभिनेता विक्की कौशल की फिल्म द इम्मोर्टल अश्वत्थामा के ठंडे बस्ते में जाने की खबरें आई थीं। फिल्म के बजट का हवाला देते हुए फिल्म को टालने की बात कही गई थी। अब रिपोर्ट्स में सामने आया है कि यह फिल्म बंद नहीं हुई है और इसकी शूटिंग अगले साल की गर्मियों में शुरू होगी। बता दें, इस फिल्म का निर्देशन फिल्ममेकर आदित्य धर करने वाले हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू हो सकती है। सूत्र ने बताया, यह फिल्म विक्की और आदित्य के लिए एक सपने की तरह है, जिसे उन्होंने एक साथ देखा था। यही वजह है कि आदित्य के लिए विक्की के बिना फिल्म के साथ आगे बढने का कोई सवाल ही नहीं था। बजट और कास्टिंग के मोर्चे पर पिछले कुछ महीनों में उतार–चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन अब फिल्म अगली गर्मियों में शूट होने के लिए तैयार है।

सूत्र ने बताया कि फिल्म को दो भागों में बनाया जाएगा। फिल्म के दोनों भाग की शूटिंग एक साथ की जाएगी। बता दें कि पहले फिल्म की घोषणा एक ट्रिलॉजी के रूप में की गई थी। बड़े बजट में इस फिल्म का निर्माण किया जाएगा। कहा जा रहा है कि आदित्य पिछले तीन सालों से इस प्रोजेक्ट में लगे हैं। जियो सिनेमा के सहयोग से फिल्म का निर्माण होगा। पिछले साल जनवरी में फिल्म का पोस्टर जारी हुआ था।

पहले ऐसी चर्चा थी कि इस फिल्म बजट इतना बढ़ जाएगा कि मेकर्स इसे रिकवर नहीं कर पाएंगे। खबरों की मानें तो प्री–प्रोडक्शन में ही प्रोड्यूसर रॉनी स्क्रूवाला ने 30 करोड़ रुपये खर्च कर दिए थे। एक सूत्र ने कहा था, जैसे–जैसे प्री–प्रोडक्शन का काम आगे बढ़ता गया, बजट भी दिनों–दिन बढ़ता गया। आखिरकार मेकर्स ने महसूस किया कि 30 करोड़ रुपये के निवेश को छोड़ देना ही बेहतर होगा।

फिल्म में विक्की के साथ दक्षिण भारतीय अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु भी नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में पहली बार समांथा और विक्की स्क्रीन शेयर करते हुए दिखाई देंगे। विक्की को फिल्म में महाभारत के महान योद्धा अश्वत्थामा का किरदार निभाने के लिए चुना गया है। अश्वत्थामा गुरु द्रोणाचार्य के बेटे थे जिन्हें अमरता का वरदान मिला हुआ था। इसमें अभिनेता सुनील शेट्टी भी नजर आ सकते हैं।

विक्की और आदित्य की जोड़ी बॉक्स ऑफिस पर हिट रही है। इस फिल्म के लिए दोनों ने दूसरी बार हाथ मिलाया है। आदित्य के निर्देशन की उरीरू द सर्जिकल स्ट्राइक में विक्की ने लोगों का दिल जीत लिया था।